Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 351
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार, 26 दिसम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 डेवलपर्स एयर पॉल्यूशन के उपायों को सख्ती से... 4 मानहानि और मुकदमे, अखिलेश यादव की ... 7 आईएलटी20 : कॉक्स-जहांगीर के अर्धशतक ...

संक्षिप्त न्यूज

चंद्रशेखर का बड़ा आरोपः केरल में 10 साल से भ्रष्टाचार कर रहे विजयन

नई दिल्ली। भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने गुरुवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक दशक तक मुख्यमंत्री रहने वाले व्यक्ति को अपने कार्यों का हिसाब देना चाहिए। विजयन ने केंद्र सरकार पर राज्य की वित्तीय स्वायत्तता को जानबूझकर सीमित करने और विकास परियोजनाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया था। एएनआई से बात करते हुए चंद्रशेखर ने केरल के विकास का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी की सरकार को दिया और विजयन के कार्यकाल को भ्रष्टाचार से भरा बताया।

चंद्रशेखर ने सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी का उदाहरण देते हुए कहा कि जो व्यक्ति 10 साल तक मुख्यमंत्री रहा हो, चुनाव आने पर जनता को अपने कार्यों के बारे में बताने की जिम्मेदारी बनती है... पिछले 10 वर्षों में केरल में जो भी विकास हुआ है, वह प्रधानमंत्री मोदी की सरकार की बदौलत हुआ है... पिछले 10 वर्षों में पिनारयी विजयन ने भ्रष्टाचार से भरी सरकार चलाई है। सबरीमाला मंदिर से 4-4.5 किलो सोना चोरी हो गया था। उन्होंने विजयन पर लोगों को भड़काने और भ्रम फैलाने का आरोप लगाया और दावा किया कि यह रणनीति सफल नहीं होगी। भाजपा नेता ने कहा, 'वे लोगों को भड़काने और भ्रमित करने की राजनीति करना चाहते हैं, लेकिन यह सफल नहीं होगा...'।

यह तब हुआ जब विजयन ने केंद्र द्वारा राज्य की उधार सीमा के प्रबंधन की आलोचना करते हुए कहा कि इससे विकास में बाधा आती है। विजयन ने बताया कि केरल राज्य विकास आयोग (केआईआईबीएफ) के ऋणों को राज्य ऋण के रूप में मानने से केरल की उधार लेने की क्षमता कम हो जाती है, जो आरबीआई द्वारा 1999 में गारंटी और ऋणों के बीच किए गए अंतर के विपरीत है।

लखनऊ में Rashtra Prerna Sthal के उद्घाटन पर बोले पीएम मोदी

जहां था कूड़े का पहाड़ वहां अब प्रेरणा का केंद्र

लखनऊ। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का उद्घाटन किया। इस मौके पर आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा और भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। मंच पर उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने अटल बिहारी वाजपेयी, महामना मदन मोहन मालवीय और महाराजा बिजली पासी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दुनिया भर को क्रिसमस की भी शुभकामनाएं दीं।

कूड़े के पहाड़ से प्रेरणा स्थल तक

पीएम ने बताया कि जिस 30 एकड़ जमीन पर आज यह भव्य स्मारक खड़ा है, वहां पहले कूड़े का पहाड़ हुआ करता था। उन्होंने इस बदलाव के लिए सीएम योगी और उनकी टीम की सराहना की।

गरीबी के खिलाफ जंग

पीएम ने कहा कि पिछले एक दशक में करोड़ों भारतीयों ने गरीबी को हराया है। उन्होंने बताया कि 2014 से पहले केवल 25 करोड़ लोग सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के दायरे में थे, लेकिन आज यह संख्या बढ़कर 95 करोड़ हो गई है।

अटल जी और सुशासन की नींव

पीएम मोदी ने कहा कि लंबे समय तक देश में सिर्फ 'गरीबी हटाओ' जैसे नारों को सुशासन मान लिया गया था, लेकिन अटल जी ने इसे जमीन पर उतारा। उन्होंने कहा, 'आज जिस डिजिटल पहचान की चर्चा पूरी दुनिया में है, उसकी नींव अटल जी की सरकार ने ही रखी थी।'

अनुच्छेद 370 का जिक्र

पीएम ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने 'दो विधान और दो निशान' का कड़ा विरोध किया था और भाजपा सरकार को अनुच्छेद 370 की दीवार को गिराने का सौभाग्य मिला। उन्होंने महाराजा सुहेलदेव, भगवान बिरसा मुंडा और महाराजा बिजली पासी के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार उन नायकों को सम्मान दे रही है जिन्हें दशकों तक नजरअंदाज किया गया।

क्या है राष्ट्र प्रेरणा स्थल?

यह लखनऊ में स्थित एक ऐसा परिसर है जहां अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 65 फीट ऊंची प्रतिमाएं लगाई गई हैं। इसमें एक अत्याधुनिक म्यूजियम भी है जो भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक यात्रा को दर्शाता है।

केवल पांच रूपये में मिलेगा भोजन, अटल कैंटीन से रोज एक लाख गरीबों की मिटेगी भूख

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन पर दिल्ली सरकार ने 'अटल कैंटीन' योजना की शुरुआत कर दी। इस योजना में दिल्ली के 100 अलग-अलग स्थानों पर अटल कैंटीन खोली गई है जिनमें केवल पांच रूपये में एक थाली भोजन दिया जाएगा। इस थाली में मौसमी सब्जी के साथ-साथ रोटी-चावल, दाल और अचार शामिल रहेगा। हर कैंटीन पर 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर एक हजार गरीबों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। कैंटीन पर दोपहर 12 बजे से दो बजे, और शाम छः बजे से आठ बजे के बीच भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। हर अटल कैंटीन पर एक हजार गरीबों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इस तरह कुल सौ कैंटीनों पर कुल मिलाकर एक लाख गरीबों को सस्ता भोजन दिया जाएगा।

यदि दोपहर और शाम दोनों को मिला लें तो दो लाख गरीबों को यह भोजन उपलब्ध होगा।

बेघरों को मिल सकेगा सस्ता भोजन

निर्माण इकाइयों, फैक्ट्रियों, बड़ी मंडियों, बाजारों, कृषि कार्यों और अन्य कार्यों में लगे गरीब श्रमिकों को इससे बड़ी सहायता मिलेगी। दिल्ली के मंदिरों, बाजारों और अन्य प्रमुख स्थलों पर भारी संख्या में ऐसे गरीब लोग भी मिलते हैं जो भीख मांगकर गुजारा करते हैं। इनमें से ज्यादातर के लिए किराए पर आवास लेकर रहना संभव नहीं होता। दिल्ली में रोज लाखों गरीब सड़क पर रात गुजार कर अपना जीवन बिताते हैं। पांच रूपये की थाली मिलने से ऐसे गरीबों को अपना पेट भरना आसान हो जाएगा। पांच रूपये में दिल्ली जैसे शहरों में एक कप चाय या एक समोसा तक नहीं खरीदा जा सकता।

गुजरात विधानसभा के डिप्टी स्पीकर ने दिया इस्तीफा,दिया व्यस्त शेड्यूल का हवाला

अहमदाबाद।गुजरात विधानसभा के डिप्टी स्पीकर जेठाभाई भरवाड़ ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसको लेकर राज्य सरकार ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। विज्ञप्ति के अनुसार भरवाड़ ने अपने व्यस्त शेड्यूल और अन्य जिम्मेदारियों का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है।

उन्होंने गांधीनगर में विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी के सरकारी आवास पर अपना इस्तीफा सौंपा। इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और राज्य भाजपा अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा भी मौके पर मौजूद थे। विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी ने भरवाड़ का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। पंचमहल जिले के शेहरा क्षेत्र से छह बार विधायक रहे 75 वर्षीय जेठाभाई भरवाड़ को 'जेठाभाई अहीर' के नाम से भी जाना जाता है। भाजपा के इस वरिष्ठ नेता को पहली बार सितंबर 2021 में डिप्टी स्पीकर चुना गया था और 2022 के विधानसभा चुनावों के बाद पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें फिर से इस पद की जिम्मेदारी सौंपी थी।

राजनीति के साथ-साथ सहकारिता क्षेत्र में भी उनका बड़ा प्रभाव माना जाता है, और अब उनके इस्तीफे के बाद विधानसभा के नए डिप्टी स्पीकर के चयन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

ओडिशा में माओवादी शीर्ष नेता गणेश उइके ढेर, गृह मंत्री अमित शाह बोले - 'नक्सल मुक्त भारत' की ओर बड़ा कदम

भुवनेश्वर। ओडिशा में नक्सल विरोधी अभियान लंबे समय से चल रहा है, लेकिन गुरुवार को सुरक्षा बलों को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। कंधमाल जिले में हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के केंद्रीय समिति सदस्य और ओडिशा ऑपरेशन प्रमुख गणेश उइके समेत चार नक्सली मारे गए हैं। इसके साथ ही बीते तीन दिनों में मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़कर छह हो गई है।

बता दें कि यह मुठभेड़ गंजाम-कंधमाल सीमा क्षेत्र में उस समय हुई जब सुरक्षा बलों को नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, सीआरपीएफ, बीएसएफ और कंधमाल पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। गुरुवार सुबह अलग-अलग इलाकों में रुक-रुक कर गोलीबारी हुई, जिसमें चार नक्सली ढेर हो गए।

मौजूद जानकारी के अनुसार, मारे गए नक्सलियों में 69 वर्षीय गणेश उइके भी शामिल है, जो तेलंगाना के नलगोंडा जिले का रहने वाला था और संगठन में बेहद प्रभावशाली माना जाता था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वह सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सक्रिय सदस्य था और ओडिशा में संगठन की गतिविधियों को संचालित कर रहा था।

ओडिशा के पुलिस महानिदेशक वाई. बी. खुरानिया ने बताया कि इस कार्रवाई में दो इंसास राइफल और एक .303 राइफल बरामद की गई हैं। उन्होंने कहा कि यह माओवादी संगठन के लिए बड़ा झटका है और इससे राज्य में उनकी कमर टूट गई है।

गौरतलब है कि पिछले तीन वर्षों में सुरक्षाबलों ने खुफिया एजेंसियों के सहयोग से माओवादी नेतृत्व को लगातार निशाना बनाया है। कभी 21 केंद्रीय समिति सदस्यों वाला यह संगठन अब सिमटकर पांच से भी कम रह गया है। संगठन के भीतर नए कैडर तैयार करने में भी गंभीर दिक्कतें सामने आ रही हैं।

इससे पहले बुधवार को भी कंधमाल जिले के बेलघर थाना क्षेत्र में मुठभेड़ हुई थी, जिसमें दो नक्सली मारे गए थे। अधिकारियों के मुताबिक, अब तक किसी भी सुरक्षाकर्मी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

गृह मंत्री अमित शाह ने इस कार्रवाई को नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा है कि देश 31 मार्च 2026 से पहले पूरी तरह नक्सल मुक्त होगा। उन्होंने इसे 'नक्सल मुक्त भारत' की दिशा में अहम कदम करार दिया है।

फिलहाल इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है और सुरक्षा एजेंसियां आशंका जता रही हैं कि कुछ नक्सली अब भी जंगलों में छिपे हो सकते हैं।

शशि थरूर का बड़ा बयानः अवैध घुसपैठ सरकार की विफलता, सीमा पर हो कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारत की सीमाओं के प्रभावी प्रबंधन के लिए सरकार की जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि अवैध अप्रवासियों की मौजूदगी व्यवस्थागत विफलताओं को दर्शाती है, जिन्हें सख्ती और कानूनी रूप से दूर करने की आवश्यकता है। बुधवार को एएनआई से बात करते हुए थरूर ने कहा कि अगर लोग अवैध रूप से देश में प्रवेश कर रहे हैं या वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी रुक रहे हैं, तो यह सीमा प्रबंधन और आव्रजन नियंत्रण में खामियों की ओर इशारा करता है।

थरूर ने पूछा कि अगर अवैध अप्रवासी हमारे देश में आ रहे हैं, तो क्या यह हमारी विफलता नहीं है? क्या हमें अपनी सीमाओं को बेहतर ढंग से नियंत्रित नहीं करना चाहिए?' उन्होंने आगे कहा कि सरकार को ऐसे उल्लंघनों के खिलाफ कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि वास्तव में, अगर कोई भी इस देश में अवैध रूप से है या वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी रुका हुआ है, तो सरकार को उन्हें निर्वासित करने का अधिकार है। इसलिए सरकार को इस मामले में अपना काम करने दें।

कानून के शासन का पालन करने पर जोर देते हुए, थरूर ने संतुलित और मानवीय दृष्टिकोण की आवश्यकता को भी दोहराया, विशेष रूप से राजनीतिक और मानवीय पहलुओं से जुड़े संवेदनशील सीमा पार मामलों में। इसके अलावा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश में रहने की अनुमति देने के भारत के फैसले का बचाव करते हुए इसे मानवीय मूल्यों पर आधारित कदम बताया। थरूर ने कहा कि भारत ने उन्हें वापस न भेजने का निर्णय लेकर 'सही मानवीय भावना' का परिचय दिया है, और भारत के साथ उनके लंबे समय से चले आ रहे संबंधों और वर्षों से देश की एक विश्वसनीय मित्र के रूप में उनकी भूमिका का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि निर्वासन या प्रत्यर्पण से संबंधित मामले संधियों और अपवादों सहित जटिल कानूनी ढांचों द्वारा नियंत्रित होते हैं, जिनकी सावधानीपूर्वक समीक्षा आवश्यक है। थरूर ने कहा, 'बहुत कम लोग कानूनी मुद्दों, संधि दायित्वों और उनमें निहित अपवादों को पूरी तरह समझते हैं,' और कहा कि ऐसे निर्णय सरकार के विवेक पर छोड़ दिए जाने चाहिए।

दिल्ली में छह अतिरिक्त वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन स्थापित किए जाएंगेः सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार राजधानी में जेएनयू और इग्नू के परिसरों समेत छह अतिरिक्त स्थानों पर वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन स्थापित करेगी। उन्होंने बताया कि इससे डेटा आधारित प्रदूषण नियंत्रण उपायों को लागू करना संभव होगा। फिलहाल दिल्ली में 40 निगरानी स्टेशन कार्यरत हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देशों के अनुसार, दिल्ली सरकार छह अतिरिक्त स्थानों पर वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन स्थापित करेगी।

उन्होंने कहा कि ये स्टेशन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अर्थ सेंटर, कॉमनवेल्थ क्रीड़ा केंद्र और एनएसयूटी (वेस्ट कैंपस) में लगाए जाएंगे, जिससे दिल्ली के वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क को और मजबूती मिलेगी।

स्टालिन का बड़ा आरोपः भाजपा राज में 74% बढ़े नफरती भाषण, देश को गंभीर खतरा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने गुरुवार को केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत भरे भाषणों में कथित तौर पर 74 प्रतिशत की वृद्धि का हवाला देते हुए कहा कि यह आगे आने वाले गंभीर खतरे का संकेत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्रिसमस समारोह में भाग लेने के बावजूद, कुछ दक्षिणपंथी हिंसक समूहों द्वारा किए गए हमले देश को एक चिंताजनक संदेश देते हैं।

स्टालिन ने एक्स पर पोस्ट किया कि जब कुछ दक्षिणपंथी हिंसक समूह, बहुसंख्यक होने के नाम पर, हमले और दंगे करते हैं, जबकि प्रधानमंत्री क्रिसमस समारोह में भाग ले रहे होते हैं, तो यह देश को एक चिंताजनक संदेश देता है। उन्होंने जबलपुर और रायपुर में अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों की खबरों का हवाला देते हुए कहा कि सद्भाव को महत्व देने वालों के लिए यह अस्वीकार्य है। स्टालिन ने कहा कि मणिपुर के बाद जबलपुर, रायपुर और अन्य जगहों पर अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों की खबरें सद्भाव को महत्व देने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए अस्वीकार्य हैं। केंद्र में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत भरे भाषणों में 74 प्रतिशत की कथित वृद्धि आगे आने वाले गंभीर खतरे का संकेत देती है। इसलिए समाज को बांटने वाले दंगाई समूहों पर अंकुश लगाना एक साझा और अत्यावश्यक कर्तव्य है, जिसे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बहुसंख्यक की सच्ची ताकत और चरित्र अल्पसंख्यकों को भयमुक्त जीवन जीने देने में निहित है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को भारत और विश्व के लोगों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं और साथ ही भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी, भारत रत्न मदन मोहन मालवीय और महाराजा बिजली पासी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। लखनऊ में एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के इस दिन 25 दिसंबर को शहर प्रेरणा के एक नए स्रोत का साक्षी बन रहा है।

पश्चिम कार्बी आंगलोंग में धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हालात, कार्बी और बिहारी समुदायों के बीच हुई थी झड़प

दिफू। असम के वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिले में हुई हिंसा के बाद अब हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। हिंसा प्रभावित इलाकों में फिलहाल कोई नई घटना सामने नहीं आई है, लेकिन एहतियात के तौर पर भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। यह हिंसा कार्बी और बिहारी समुदायों के बीच हुई। विवाद की जड़ गांव चराई रिजर्व (वीजीआर) और प्रोफेशनल ग्रेजिंग रिजर्व (पीजीआर) की जमीन है। कार्बी समुदाय का आरोप है कि आदिवासी इलाकों में हिंदी भाषी लोग अवैध रूप से जमीन पर कब्जा कर रहे हैं।

मृतकों का किया गया अंतिम संस्कार

अधिकारियों के मुताबिक, हिंसा में मारे गए दोनों लोगों का अंतिम संस्कार बुधवार रात शांतिपूर्ण तरीके से उनके-अपने रीति-रिवाजों के अनुसार किया गया। विशेष रूप से दिव्यांग युवक सुरेश डे का शव उनके घर और दुकान से बरामद हुआ, जिसे भीड़ ने आग के हवाले कर दिया था। वहीं, अथिक तिमुंग, जो कार्बी समुदाय से थे, की मौत पुलिस फायरिंग में हुई। सबसे ज्यादा प्रभावित खेरेनी इलाका है, जहां कार्बी समुदाय के अलावा बिहारी, बंगाली और नेपाली समुदाय के लोग भी रहते हैं।

कर्नाटक सीएम पर सत्ता संघर्ष तेजः खरगे से मिले शिवकुमार, कांग्रेस आलाकमान के फैसले का इंतजार!

बैंगलुरू। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को बेंगलुरु स्थित कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर उनसे मुलाकात की, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह मुलाकात राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रहे सत्ता संघर्ष से जुड़ी हो सकती है। कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल के आधे समय तक पहुंचने के बाद, राज्य में मुख्यमंत्री परिवर्तन की अटकलों के बीच सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष तेज हो गया है।

हालांकि, बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य कांग्रेस इकाई के प्रमुख के तौर पर केंद्र द्वारा एमजीएनआरईजीए योजना के स्थान पर पारित कानून पर केवल अपने विचार साझा किए, जो 27 दिसंबर को होने वाली कांग्रेस कार्य समिति की बैठक से पहले हुआ था।

उन्होंने कहा कि उन्होंने खरगे के साथ किसी अन्य मुद्दे पर चर्चा नहीं की है। उन्होंने कहा कि इसकी कोई आवश्यकता नहीं है, मैं ऐसा नहीं करूंगा, फिलहाल ऐसी कोई बात नहीं है। सिद्धारमैया और मैंने कहा है कि हम उच्च कमान के फैसले का पालन करते हुए काम करेंगे और हम इसके प्रति प्रतिबद्ध हैं।अपने इस बयान पर कि वे पार्टी कार्यकर्ता बने रहेंगे, पूछे गए एक सवाल के जवाब में शिवकुमार ने कहा कि उनका मतलब पार्टी के आजीवन सदस्य बने रहना और संगठन की सेवा करना था, चाहे उनका पद या स्थिति कुछ भी हो।

उन्होंने कहा कि मैं पार्टी का आजीवन कार्यकर्ता हूं। मेरा पद चाहे जो भी हो, मैं पार्टी का कार्यकर्ता हूं। मैंने पार्टी कार्यकर्ता और अध्यक्ष दोनों के रूप में पार्टी का झंडा फहराया है। मैंने पार्टी के पोस्टर लगाए हैं, सफाई का काम किया है। मैंने कांग्रेस पार्टी के लिए सब कुछ किया है। मैं सिर्फ मंच पर बैठकर भाषण देने नहीं आया हूं। मैंने पार्टी के लिए हर काम किया है।

कांग्रेस के दावे पर सरकार का पलटवार, भूपेंद्र यादव बोले- गहलोत से पूछिए, किसने बर्बाद की पर्वतमाला

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को कांग्रेस की ओर से लगाए गए उन आरोपों को खारिज कर दिया कि पहाड़ियों की परिभाषा बदलने से अरावली के 90 प्रतिशत से ज्यादा हिस्से को संरक्षित नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इसलिए 'घबराई' हुई है क्योंकि सरकार ने अरावली में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

कांग्रेस ने गुरुवार को दावा किया कि पर्वतीय पर्वत श्रृंखला की परिभाषा बदलने के बाद अरावली के 90 प्रतिशत से अधिक हिस्से को संरक्षित नहीं किया जाएगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि इससे खनन और अन्य गतिविधियों के लिए रास्ता खुल जाएगा।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने जयराम रमेश की पोस्ट का जवाब देते हुए कहा, 'एफएसआई की ओर से किए गए किसी भी अध्ययन में आपकी कही गई बातों का कोई प्रमाण नहीं है। लेकिन मुझे पता है कि एफएसआई की ओर से स्पष्ट खंडन जारी करने के बावजूद आप ये झूठ क्यों फैला रहे हैं।'

केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस से पूछा सवाल

भूपेंद्र यादव ने कहा, 'शायद आपकी 'पर्यावरणविद् वाली छवि' तब विश्वसनीय साबित होती जब आप अपने पार्टी सहयोगी अशोक गहलोत से पूछते कि अरावली पर्वतमाला को किसने नष्ट किया।'

भाजपा सांसद ने कहा, 'आप और आपके गुट के लोग इसलिए घबराए हुए हैं क्योंकि हमने गुजरात से दिल्ली तक अरावली में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। हम आपको अशोक गहलोत को या आपकी पार्टी के किसी भी सदस्य को पवित्र अरावली को फिर कभी लूटने नहीं देंगे।

'16 जनवरी को अटलजी को सिर्फ श्रद्धांजलि नहीं, मुंबई जीतकर सच्चा सम्मान देंगे' : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

मुंबई । आज जब पूरा देश भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती मना रहा है, तब भारतीय जनता पार्टी मुंबई ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अटलजी की विरासत केवल भाषणों और पुष्पांजलि तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सुशासन, विकास और निर्णायक नेतृत्व के माध्यम से आगे बढ़ाई जाएगी।

इसी संदेश के साथ भाजपा मुंबई की ओर से वसंतस्मृति कार्यालय, दादर में आयोजित चित्र-चरित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री माननीय श्री देवेंद्र फडणवीस के शुभहस्ते संपन्न हुआ। ढोल-ताशों की गूंज, कार्यकर्ताओं का जोश और जनता का उत्साह–कार्यक्रम ने साफ संकेत दे दिया कि मुंबई में राजनीतिक हवा किस दिशा में बह रही है।

भाजपा मुंबई अध्यक्ष एवं विधायक श्री अमित साटम ने उद्घाटन सत्र में विपक्ष पर सीधा हमला बोलते हुए कहा,

'पिछले 11 वर्षों में देवेंद्र फडणवीस ने सुशासन सिर्फ बताया नहीं, जमीन पर उतार कर दिखाया है। मेट्रो, अटल सेतु, कोस्टल रोड, बीबीडी चॉल के गरीब को 560 वर्गफुट का घर–यह काम भाषण देने वालों ने नहीं, काम करने वालों ने किया है। मुंबईकर अब जान चुके हैं कि कौन सिर्फ बोलता है और कौन बदलता है। इसलिए अगली मुंबई महानगरपालिका में महायुति का भगवा झंडा तय है।'

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने भाषण में अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व को याद करते हुए विपक्ष और भ्रम फैलाने वाली राजनीति पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा,

'अटल बिहारी वाजपेयी केवल एक प्रधानमंत्री नहीं थे, वे भारत की रीढ़ थे। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस सशक्त, आत्मनिर्भर और निर्णायक भारत का निर्माण कर रहे हैं, उसकी नींव अटलजी ने रखी थी। भाजपा को कठिन समय में दिशा देने वाले अटलजी ने कभी राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के मूल विचारों से समझौता नहीं किया।'

मुख्यमंत्री फडणवीस ने आगे कहा,

'अटलजी ने कहा था–'सड़कें देश को जोड़ती हैं' और उन्होंने देश को वर्ल्ड क्लास हाईवे दिए। ग्राम सड़क योजना से गांवों को शहरों से जोड़ा। भारत को परमाणु शक्ति बनाया और विदेशी दबावों के सामने झुके नहीं। आज जो लोग भारत की ताकत पर सवाल उठाते हैं, उन्हें अटलजी के फैसलों का इतिहास पढ़ना चाहिए।'

मुंबई महानगरपालिका चुनाव पर स्पष्ट संदेश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा,

'अटलजी ने मुंबई से भाजपा को आगे बढ़ाया था। अब उसी मुंबई में महायुति की सत्ता स्थापित कर उनके विचारों को आगे ले जाना हमारा संकल्प है। यह लड़ाई सत्ता की नहीं, मुंबईकरों के भविष्य की है। पारदर्शिता, ईमानदारी और विकास–यही हमारी पहचान है। आज हम अटलजी को श्रद्धांजलि दे रहे हैं, लेकिन 16 जनवरी को मुंबई जीतकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देंगे।'

भाजपा मुंबई के सरचिटणीस श्री राजेश शिरवडकर ने विपक्ष को आईना दिखाते हुए कहा,

'जब कभी भाजपा के सांसदों को कमजोर बताकर हंसी उड़ाई गई थी, तब अटलजी ने संसद में कहा था–'आज आप हम पर हंस रहे हैं, कल देश आप पर हंसेगा।' आज कांग्रेस और विपक्ष की हालत देखकर अटलजी की बात सच साबित हो रही है। अब समय आ गया है कि मुंबई में भी महायुति का भगवा फहराया जाए।'

कार्यक्रम के दौरान वसंतस्मृति परिसर में अटलजी की भव्य पोर्ट्रेट रंगोली और लाइव स्कल्प्चर आकर्षण का केंद्र रहे, जिसे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्वयं देखा और सराहा।

इस अवसर पर मंच पर राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिवप्रकाश जी, भाजपा मुंबई अध्यक्ष विधायक अमित साटम, कैबिनेट मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, विधायक कालिदास कोलंबकर, विधायक विद्या ठाकुर, राजहंस सिंह, सरचिटणीस आचार्य पवन त्रिपाठी, राजेश शिरवडकर, श्वेता परुलकर सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वार्ड 39 में सत्ता परिवर्तन तय! मुक्ता पंकज शुक्ला की आंधी में हिले दिग्गज

मुंबई । कांदिवली पूर्व : मुंबई बीएमसी नगरसेवक चुनाव में कांदिवली पूर्व के वार्ड नंबर 39 से मैदान में उतरीं एडवोकेट मुक्ता पंकज शुक्ला ने चुनावी रण को पूरी तरह पलट कर रख दिया है। गली-गली, घर-घर पहुंचकर जनता से सीधा संवाद करने वाली मुक्ता पंकज शुक्ला इस वक्त वार्ड 39 की सबसे मजबूत और चर्चित चेहरा बन चुकी हैं। डोर-टू-डोर जनसंपर्क, आक्रामक मुद्दों और बेबाक अंदाज़ ने पुराने चेहरों की नींद उड़ा दी है।

खराब सड़कें, गंदगी, पानी की किल्लत, महिला असुरक्षा और प्रशासनिक उदासीनता जैसे ज्वलंत मुद्दों पर मुक्त शुक्ला ने खुला मोर्चा खोल दिया है।

स्थानीय जनता साफ कह रही है – 'अब नहीं चाहिए खोखले वादे, अब चाहिए ज़मीनी नेता।'

मुक्ता पंकज शुक्ला ने दो टूक कहा, 'वार्ड 39 को वर्षों से नजरअंदाज किया गया है। अब चुप नहीं बैठेंगे, अब बदलाव होगा।'

वार्ड में बढ़ती भीड़, लगातार समर्थन और सोशल ग्राउंड रिपोर्ट यह संकेत दे रही है कि मुक्ता पंकज शुक्ला की लहर ने मुकाबले को एकतरफा बना दिया है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि इस बार कांदिवली पूर्व से नई राजनीति का उदय तय है।

जनता का मूड साफ – वार्ड 39 बोले, मुक्ता पंकज शुक्ला ही चाहिए!

बीएमसी चुनाव की यह सीट अब सिर्फ चुनाव नहीं, बल्कि जनता बनाम सिस्टम की लड़ाई बन चुकी है – और इस लड़ाई की अगुवाई कर रही हैं एडवोकेट मुक्ता पंकज शुक्ला।

श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ : 'योगः कर्मशु कौशलम्' – निष्काम कर्म से आत्मोद्धार का सनातन संदेश

मुंबई। कांदिवली (पूर्व) में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ के द्वितीय पावन दिवस पर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज के दिव्य प्रवचनों से संपूर्ण वातावरण वैदिक चेतना, भक्ति और शांति से आलोकित हो उठा। श्रद्धालुओं ने कर्म, ज्ञान और भक्ति के त्रिवेणी संगम का सजीव अनुभव किया।

अपने अमृतोपम प्रवचन में स्वामी जी ने भगवद्गीता के महावाक्य –

'योगः कर्मशु कौशलम्' (गीता 2.50) की शास्त्रसम्मत व्याख्या करते हुए कहा कि योग का वास्तविक स्वरूप बाह्य क्रियाओं में नहीं, बल्कि अंतःकरण की शुद्धता में निहित है। जब कर्म अहंकार, आसक्ति और फल-लालसा से रहित होकर ईश्वर को समर्पित हो जाता है, तभी वह योग का रूप धारण करता है।

स्वामी जी ने कहा–

'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' (गीता 2.47)

का भाव यही है कि मनुष्य कर्म करे, परंतु कर्तापन का अभिमान और फल की अपेक्षा त्याग दे। ऐसा निष्काम कर्म ही साधना बनकर जीव को मोक्ष पथ की ओर अग्रसर करता है।

भगवद्गीता की महिमा का वर्णन करते हुए स्वामी जी ने कहा कि गीता भगवान श्रीकृष्ण की साक्षात् वाणी है–

'गीता सुगीता कर्तव्या किमन्यैः शास्त्रविस्तरैः'

गीता का श्रवण, मनन और आचरण मनुष्य के जीवन को धर्म, विवेक और वैराग्य से आलोकित करता है।

श्रीमद् भागवत महापुराण को भक्ति का शिरोमणि ग्रंथ बताते हुए स्वामी जी ने कहा–

'निगमकल्पतरोर्गलितं फलम्'

अर्थात भागवत वेद-रूपी कल्पवृक्ष का परिपक्व और मधुर फल है। इसका श्रवण जीव के भीतर स्थित अहंकार, लोभ और मोह का क्षय कर उसे भगवत् प्रेम में स्थित करता है।

उन्होंने कहा–

'स वै पुंसां परो धर्मो यतो भक्तिरधोक्षजे'

भागवत का मूल संदेश यही है कि वही धर्म श्रेष्ठ है, जिससे भगवान में निष्कलुष भक्ति उत्पन्न हो। भागवत कथा मनुष्य को केवल धार्मिक नहीं, बल्कि करुणाशील, संयमी और मानवीय बनाती है। स्वामी जी ने यह भी कहा कि आज के भौतिकतावादी और अशांत युग में भागवत कथा जीव के लिए अमृत के समान है। 'श्रवणं कीर्तनं विष्णोः' के माध्यम से मनुष्य जब ईश्वर कथा से जुड़ता है, तब उसके विचार, आचरण और कर्म स्वतः शुद्ध हो जाते हैं। प्रवचन के दौरान संपूर्ण पंडाल में मंत्रमुग्ध करने वाली शांति, गहन एकाग्रता और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव हुआ। श्रद्धालु भाव-विभोर होकर दिव्य वचनों का रसास्वादन करते दिखाई दिए।

उक्त जानकारी काशी धर्म पीठ के प्रवक्ता प्रो. दयानंद तिवारी ने प्रेस को दी।

–

प्रो. दयानंद तिवारी
प्रवक्ता, काशी धर्म पीठ
मोबाइल : 9987123330

मध्य रेल द्वारा नव वर्ष की पूर्व संध्या पर 4 विशेष उपनगरीय ट्रेन सेवाएं

मुंबई(संवाददाता)

मध्य रेल, यात्रियों की सुविधा के लिए नव वर्ष की पूर्व संध्या (दिनांक 31.12.2025 / 01.01.2026 मध्यरात्रि) पर निम्नलिखित 4 विशेष उपनगरीय ट्रेन सेवाएं चलाएगा विवरण इस प्रकार है :

मेन लाइन

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर चलने वाली विशेष ट्रेन दिनांक 31.12.2025/ 01.01.2026 की मध्यरात्रि को 1:30 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और 3:00 बजे कल्याण पहुंचेगी।

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर चलने वाली विशेष ट्रेन दिनांक 31.12.2025/ 01.01.2026 मध्यरात्रि को 1:30 बजे कल्याण से प्रस्थान करेगी और 3:00 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी।

हार्बर लाइन

नए वर्ष की पूर्व संध्या पर चलने वाली विशेष ट्रेन दिनांक 31.12.2025 / 01.01.2026 की मध्यरात्रि 1:30 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और 2:50 बजे पनवेल पहुंचेगी।

नए वर्ष की पूर्व संध्या पर चलने वाली विशेष ट्रेन दिनांक 31.12.2025 / 01.01.2026 की मध्यरात्रि 1:30 बजे पनवेल से प्रस्थान करेगी और 2:50 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी।

उपर्युक्त सभी विशेष ट्रेन सेवाएं सभी स्टेशनों पर रुकेंगी। यात्रियों से आग्रह है कि वे इस पर ध्यान दें तथा इन सेवाओं का लाभ उठाएं और सुरक्षित यात्रा करें।

भाजपा मीडिया प्रमुख नवनाथ बन का तीखा हमला

मराठी मानुष के नाम पर पाखंड बंद करें - उद्धव ठाकरे ने किया एक भी काम तो दिखाएँ

संजय राऊत को भाजपा की खुली चुनौती - काम दिखाओ, वरना चुप बैठो

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

उद्धव ठाकरे और उबाठा गुट ने मराठी मानुष के लिए आखिर किया क्या है? संजय राऊत मराठी मानुष के लिए जेल गए थे या फिर पत्राचाळ घोटाले में घर लूटने के कारण जेल गए ? अगर संजय राऊत अपने पूरे राजनीतिक जीवन में मराठी मानुष के भले के लिए किया गया एक भी ठोस काम दिखा दें, तो मैं उन्हें एक हजार रुपये इनाम दूँगा–यह सीधी, खुली और बेबाक चुनौती भारतीय जनता पार्टी के मीडिया विभाग प्रमुख नवनाथ बन ने दी।

मुंबई भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में श्री बन ने कहा कि मराठी मानुष के नाम पर रोज छाती पीटने वाले संजय राऊत खुद भ्रष्टाचार के प्रतीक बन चुके हैं। मराठी लोगों के घर लूटे, घोटाले किए और फिर जेल गए–अब इसे मराठी अस्मिता कहना मराठी समाज का अपमान है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सत्ता में रहते हुए सिर्फ भाषण नहीं दिए, बल्कि मराठी मानुष को घर, रोजगार, सड़क, मेट्रो और बुनियादी सुविधाएँ दीं। यही फर्क है काम करने वालों और सिर्फ बयानबाज़ी करने वालों में।

बीडीडी चॉल का सच - ठाकरे सरकार ने मराठी मानुष की पीठ में छुरा घोंपा

श्री बन ने जोरदार हमला करते हुए कहा कि जिन बीडीडी चॉलों में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मराठी मानुष को किफायती दरों पर घर दिए, उन्हीं चॉलों में ठाकरे सरकार के दौरान, जब आदित्य ठाकरे मंत्री थे, घरों की कीमतें 50 लाख रुपये रखी गईं।

यह मराठी मानुष की सेवा नहीं, बल्कि खुली लूट थी।

10 नहीं, 100 काम गिनवा देंगे - राऊतों की जुबान बंद हो जाएगी

देवेंद्र फडणवीस के 10 काम गिनाने की चुनौती देने वाले संजय राऊतों को आड़े हाथों लेते हुए श्री बन ने कहा–

10 ही क्यों, हम 100 विकास कार्य गिनवा देंगे। मेट्रो, अटल सेतु, कोस्टल रोड, सड़कें, फ्लाईओवर, इंफ्रास्ट्रक्चर, आवास योजनाएँ–मुंबई और महाराष्ट्र का चेहरा बदलने वाले ये सारे काम देवेंद्र फडणवीस ने किए हैं।

राऊत चाहें तो सूची लिखकर ले जाएँ।

हिंदुत्व छोड़ा, सत्ता के लिए कांग्रेस की गोद में बैठे

श्री बन ने आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे ने सत्ता के लालच में हिंदुत्व को तिलांजलि दे दी।

देवेंद्र फडणवीस की पीठ में छुरा घोंपकर कांग्रेस की गोद में बैठ गए और मुख्यमंत्री की कुर्सी हथिया ली।

मुस्लिम वोट बैंक के लिए उबाठा गुट अब 'मुस्लिम लीग' जैसी राजनीति कर रहा है–यह बात महाराष्ट्र की जनता भली-भांति समझ चुकी है।

वंदे मातरम् से डर क्यों? हिम्मत है तो पूरा गाओ

उबाठा गुट-मनसे युति का ढोल पीटने वाले राऊतों की सच्चाई तब सामने आ गई, जब पत्रकारों ने राज ठाकरे के साथ सीट बंटवारे का हिसाब पूछा और उनकी बोलती बंद हो गई।

श्री बन ने कहा कि सत्ता के लिए 'वंदे मातरम्' का विरोध करने वालों के साथ उबाठा गुट बैठा है।

अगर हिम्मत है तो संजय राऊत सार्वजनिक मंच से पूरा वंदे मातरम् गाकर दिखाएँ।

पिंजरा फिल्म के मास्टर जैसी हालत - कांग्रेस के दरबार में हाज़िरी

श्री बन ने कहा कि आज उबाठा गुट और संजय राऊत की हालत फिल्म पिंजरा के मास्टर जैसी हो गई है–

कांग्रेस के चरणों में बैठकर तुणतुणा बजाना, बालासाहेब ठाकरे के भगवे को त्यागकर हरे वोटों के लिए गिड़गिड़ाना–यही इनकी राजनीति बची है।

भाजपा पर बोलने से पहले आईना देख लें - संदीप देशपांडे पर भी प्रहार

मनसे नेता संदीप देशपांडे द्वारा सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशिष शेलार पर की गई टिप्पणी पर पलटवार करते हुए श्री बन ने कहा–

जिनके पास न विचार हैं, न आचरण और न ही स्थिर भूमिका, उन्हें भाजपा के मजबूत नेताओं पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं।

जिन्हें सुपारी लेकर और सेटलमेंट की राजनीति करने की आदत है, वे भाजपा पर उंगली उठाने से पहले अपनी औकात देखें। भाजपा ने कभी भाषाई ज़हर नहीं फैलाया

श्री बन ने स्पष्ट कहा कि ठाकरे बंधुओं की युति हार के डर से पैदा हुई अवसरवादी युति है। चुनाव आते ही मराठी मानुष और मुंबई तोड़ने का डर दिखाना–यही उबाठा गुट और मनसे की पुरानी चाल है।

भाषा और प्रांत के नाम पर हिंसा इन्हीं दलों ने फैलाई, भाजपा ने कभी मराठी-अमराठी विवाद खड़ा नहीं किया।

उन्होंने विश्वास जताया कि मराठी मानुष और मुंबईकर इस बार भी काम करने वालों के साथ, यानी भाजपा और महायुति के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे।

भारतीय रेलवे ने यात्री किराया संरचना को युक्तिसंगत बनाया; उपनगरीय सेवाओं, सीजन टिकटों और 215 किमी तक की द्वितीय श्रेणी की साधारण यात्राओं के लिए कोई किराया वृद्धि नहीं

यात्रियों पर न्यूनतम प्रभावः शयनयान और प्रथम श्रेणी साधारण में केवल 1 पैसे प्रति किमी की बढ़ोतरी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेलवे ने यात्रियों के लिए किराया वहनीय बनाने और परिचालन की स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से 26 दिसंबर 2025 से अपने यात्री किराया ढांचे को युक्तिसंगत बना दिया है।संशोधित किराया संरचना के तहत उपनगरीय सेवाओं और सीजन टिकटों के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिसमें उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों मार्ग शामिल हैं। ाधारण नॉन-एसी (गैर-उपनगरीय) सेवाओं के लिए द्वितीय श्रेणी साधारण, स्लीपर श्रेणी साधारण और प्रथम श्रेणी साधारण में किराए को श्रेणीबद्ध तरीके से युक्तिसंगत बनाया गया है। साधारण द्वितीय श्रेणी में 215 किमी तक की यात्राओं के लिए किराए में कोई वृद्धि नहीं है, जिससे कम दूरी और दैनिक यात्रियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। 216 किमी से 750 किमी तक की दूरी के लिए किराया 5 रुपये बढ़ाया गया है। इससे अधिक दूरी की यात्राओं के लिए वृद्धि चरणबद्ध तरीके से लागू की गई है- 751 किमी से 1250 किमी के बीच की दूरी के लिए 10 रुपये, 1251 किमी से 1750 किमी के बीच की दूरी के लिए 15 रुपये और 1751 किमी से 2250 किमी के बीच की दूरी के लिए 20 रुपये। स्लीपर श्रेणी साधारण और प्रथम श्रेणी साधारण में गैर-उपनगरीय यात्राओं के लिए किराए में प्रति किलोमीटर 1 पैसे की दर से एकसमान संशोधन किया गया है, जिससे किराए में क्रमिक और सीमित वृद्धि सुनिश्चित हुई है। मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में नॉन-एसी और एसी दोनों श्रेणियों में किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की गई है। इसमें स्लीपर क्लास, फर्स्ट क्लास, एसी चेयर कार, एसी थ्री-टियर, एसी टू-टियर और एसी फर्स्ट क्लास शामिल हैं। उदाहरण के तौर पर नॉन-एसी मेल/एक्सप्रेस कोच में 500 किलोमीटर की यात्रा के लिए यात्रियों को लगभग 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। तेजस राजधानी, राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, वंदे भारत, हमसफर, अमृत भारत, तेजस, महामाना, गतिमान, अंत्योदय, गरीब रथ, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, नमो भारत रैपिड रेल और साधारण गैर-उपनगरीय सेवाओं (जहां लागू हो, एसी एमईएमयू/डीईएमयू को छोड़कर) सहित प्रमुख रेल सेवाओं के मौजूदा मूल किरायों को अनुमोदित श्रेणीवार मूल किराया वृद्धि के अनुरूप संशोधित किया गया है। यह संशोधन सभी श्रेणियों में समान रूप से और एक क्रमबद्ध तरीके से किया गया है। गौरतलब है कि आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट अधिभार या अन्य सहायक शुल्कों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, ये सभी मौजूदा नियमों के अनुसार ही लागू रहेंगे। जीएसटी की प्रयोज्यता अपरिवर्तित रहेगी और किराए को प्रचलित मानदंडों के अनुसार किराय का पूर्णांकन जारी रहेगा।

संशोधित किराया केवल 26 दिसंबर 2025 को या उसके बाद बुक किए गए टिकटों पर लागू होगा। इस तिथि से पहले बुक किए गए टिकटों पर, चाहे यात्रा प्रभावी तिथि के बाद ही क्यों न हो, कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा।

स्टेशनों पर प्रदर्शित किराया सूची भी 26.12.2025 से प्रभावी नए किरायों के अनुरूप अद्यतन की जाएगी।

डिजिटल होर्डिंग्स, सोशल मीडिया, सेल्फी बूथ जैसे अलग-अलग मीडिया के ज़रिए नवी मुंबईकरों से वोट देने की अपील

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन 2025-26 का आम चुनाव 15 जनवरी, 2026 को हो रहा है, और यह पक्का करने के लिए कि नवी मुंबईकर वोटर बड़ी संख्या में हिस्सा लें और अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करें, म्युनिसिपल कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे के गाइडेंस में अलग-अलग मीडिया का इस्तेमाल करके बड़े पैमाने पर जागरूकता फैलाई जा रही है।

डिजिटल मीडिया के बढ़ते असर को देखते हुए, हर नवी मुंबईकर वोटर से अपील की जा रही है कि वे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के फेसबुक, इंस्टा,एक्स, व्हाट्सएप चैनल जैसे सोशल मीडिया पर अलग-अलग ग्राफिक्स और रील के ज़रिए 15 जनवरी को सुबह 7.30 बजे से शाम 5.30 बजे के बीच वोट देकर अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल फ़र्ज़ के साथ करें।

इसके साथ ही, शहर में अलग-अलग जगहों पर लगे डिजिटल बैनर पर वोटिंग की अपील के ग्राफिक्स इस तरह से दिखाए गए हैं कि वे आते-जाते लोगों को दिखें, और वोटिंग के बारे में प्रचार किया जा रहा है। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के हेडक्वार्टर के साथ-साथ डिपार्टमेंटल ऑफिस और डिपार्टमेंट में रिटर्निंग ऑफिसर के ऑफिस में वोटिंग को लेकर सेल्फी बूथ लगाए गए हैं। अलग-अलग मॉल, सभी डी-मार्ट, थिएटर और वंडर्स पार्क, ज्वेल ऑफ नवी मुंबई, सेंट्रल पार्क, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मेमोरियल, वाशी-नेरुल-ऐरोली हॉस्पिटल जैसी बिज़ी जगहों पर भी सेल्फी बूथ लगाए गए हैं। इन पर 'मैं वोट दूंगा' मैसेज के ज़रिए, लोग वोट देने का अपना पक्का इरादा दिखा रहे हैं और दूसरों से भी अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करने की अपील कर रहे हैं। लोगों से अपील की जा रही है कि वे अलग-अलग पब्लिक जगहों पर लगे इन सेल्फी बूथ के साथ अपनी फोटो लें और उन्हें फेसबुक, इंस्टाग्राम,एक्स, और व्हाट्सएप स्टेटस जैसे सोशल मीडिया पर अपलोड करें।

पश्चिम रेलवे
विभिन्न कार्य

डिप्टी चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (W), वेस्टर्न रेलवे कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - 400 013, ई-टेंडर नोटिस नंबरः EL/WA/PL/2025-26/32 दिनांकः 20.12.2025 आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नामः** विस्तृत कार्यक्षेत्र के अनुसार AC और नॉन AC कोच के विभिन्न प्रकार के बैटरी सेट की अनलोडिंग और लोडिंग के साथ-साथ शिफ्टिंग, डिस्कनेक्टिंग, कनेक्टिंग और टेस्टिंग। **मात्राः कार्यक्षेत्र के अनुसार। कार्य की अनुमानित लागतः** 1,22,12,454.50.**ईएमडीः** 2,11,100/-. **टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 02.01.2026 तक, 12:00 बजे। **टेंडर खोलने का समयः** 02.01.2026 को 12:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0926

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
वार्षिक रखरखाव अनुबंध

सीनियर डिविजनल सिग्नल एंड टेलीकॉम इंजीनियर (ण्ड), दूसरी मंजिल, डिविजनल रेलवे मैनेजर का कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008, ई-टेंडर नंबरः WR-MMCT-ST-STTD-34-2025 दिनांक 22/12/2025 आमंत्रित करते हैं। **काम का नामः** गैर-उपनगरीय खंडों के स्टेशनों पर मैनुअल उद्घोषणा प्रणाली का स्वचालित उद्घोषणा प्रणाली में उन्नयन तथा मुंबई डिवीजन के चर्चगेट-विरार खंड के चर्चगेट, महालक्ष्मी, दादर, अंधेरी, राम मंदिर, गोरेगांव, बोरीवली एवं नालासोपारा स्टेशनों पर आयु एवं स्थिति के आधार पर स्थापित पब्लिक एड्रेस सिस्टम को आईपी-आधारित पब्लिक एड्रेस सिस्टम से प्रतिस्थापित करने का कार्य, साथ ही वारंटी अवधि के बाद व्यापक वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध (सीएएमसी) शामिल है। **काम की लागतः** 11,85,02,769.36 **बिड सिक्योरिटीः** 7,42,500/-. **ई-टेंडर डॉक्यूमेंट जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 16.01.2026 को 15:00 बजे तक। **ई-टेंडर खोलने की तिथि और समयः** 16.01.2026 को 15:30 बजे। टेंडर वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। 0925

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग का काम

सीनियर डिविजनल सिग्नल और टेलीकॉम इंजीनियर (नॉर्थ), दूसरी मंज़िल, डिविजनल रेलवे मैनेजर ऑफिस, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400 008, ई-टेंडर नंबरः SG-216-2-148-WA तारीख 22/12/2025 आमंत्रित करते हैं। **काम और जगहः** उधना न्यू गुड्स शेड (UNGU), अमलनेर, नारदाना और डोंडाइचा में पिटलेस इलेक्ट्रिक इन मोशन वे ब्रिज (EIMWB) लगाने के काम के संबंध में टेलीकॉम सुविधाओं की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग। **काम की लागतः** 5138301.21 **ईएमडीः** 1,02,800/-.**ई-टेंडर डॉक्यूमेंट जमा करने की आखिरी तारीख और समयः** 13.01.2026 को 15:00 बजे तक। **ई-टेंडर खोलने की तारीख और समयः** 13.01.2026 को 15:30 बजे। टेंडर वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। 0927

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

डेवलपर्स एयर पॉल्यूशन के उपायों को सख्ती से लागू करें - कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एरिया में एयर पॉल्यूशन कम करने के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं और कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे ने संबंधित डिपार्टमेंट्स की एक मीटिंग की थी और अधिकारियों और कर्मचारियों को फील्ड लेवल पर और असरदार रोकथाम कार्रवाई करने का निर्देश दिया था, और उसी के अनुसार कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसमें एक अहम हिस्सा कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री है, और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने कंस्ट्रक्शन साइट्स पर पॉल्यूशन रोकने के उपायों के लिए एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर की घोषणा की है। यह पक्का करने के लिए कि सभी डेवलपर्स इसका सख्ती से पालन करें, म्युनिसिपल कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे की अध्यक्षता में एक खास मीटिंग रखी गई थी। इस मौके पर नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एरिया के 70 से ज़्यादा डेवलपर्स और आर्किटेक्ट मौजूद थे।

इस मौके पर कमिश्नर ने सलाह दी कि कंस्ट्रक्शन प्रोफेशनल्स को अपनी कंस्ट्रक्शन साइट्स पर सभी तरह के पॉल्यूशन रोकने के उपायों और उपायों को सख्ती से लागू करना चाहिए ताकि नवी मुंबई शहर का एनवायरनमेंट अच्छा बना रहे और यहां का एयर क्वालिटी इंडेक्स हमेशा अच्छा बना रहे। इस मौके पर अर्बन प्लानिंग के छठे डायरेक्टर श्री सोमनाथ केकन और अर्बन प्लानर

युवराज चव्हाण मौजूद थे।

नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकार क्षेत्र में कई जगहों पर कंस्ट्रक्शन और रीडेवलपमेंट का काम चल रहा है। इन कामों से होने वाले नॉइज़ पॉल्यूशन, एयर पॉल्यूशन और ब्लास्टिंग को देखते हुए, माननीय हाई कोर्ट, मुंबई ने अपनी खुद की सुओ मोटो पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन नंबर 3/2023 फाइल की है। माननीय हाई कोर्ट के 11/12/2023 को दिए गए ऑर्डर के अनुसार, एयर पॉल्यूशन कम करने के ऑर्डर दिए गए हैं।

इसके अनुसार, नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने 01/08/2024 को एक सर्कुलर जारी किया है, जिसमें नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकार क्षेत्र में कंस्ट्रक्शन साइट्स पर नॉइज़ पॉल्यूशन, एयर पॉल्यूशन और ब्लास्टिंग के लिए फॉलो किए जाने वाले 'स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर - SOP' और कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट साइट्स पर एयर और नॉइज़ पॉल्यूशन के लिए पेनल्टी एक्शन के बारे में बताया गया है।

साथ ही, माननीय हाई कोर्ट ने 28/11/2025 को मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के लिए ऊपर बताए गए नॉइज़ और एयर पॉल्यूशन के संबंध में उठाए जाने वाले कदमों के बारे में ऑर्डर दिए हैं और इसे कंट्रोल करने के लिए एक कमेटी बनाई गई है। कमेटी ने 13/12/2025 को नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एरिया में बन रहे कुल 85 कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स में से 3 प्रोजेक्ट्स, तुर्भे में RMC प्लांट और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के रोड वर्क्स की साइट का इंस्पेक्शन किया और कहा कि नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर में बताए गए तरीकों को सभी कंस्ट्रक्शन साइट्स पर असरदार तरीके से लागू किया जाना चाहिए।

इसके मुताबिक, कमिश्नर की अध्यक्षता में नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी डेवलपर्स और आर्किटेक्ट्स की एक खास मीटिंग रखी गई। इस मीटिंग में, कमिश्नर ने एयर पॉल्यूशन को कंट्रोल करने और रोकने के लिए म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा हाई कोर्ट में पेश किए गए प्रपोज़ल के अनुसार उठाए जाने वाले अलग-अलग तरीकों का सुझाव दिया। इसके मुताबिक, कंस्ट्रक्शन परमिट में कंस्ट्रक्शन साइट पर CCTV कैमरे और एयर क्वालिटी मेज़रमेंट दिखाने वाले डिस्प्ले लगाने की शर्त शामिल होगी।

रत्नागिरी में केमिकल प्लांट पर गंभीर सवाल, एमएलए रोहित पवार ने किया जहरीले रसायन निकलने का दावा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में हाल ही में शुरू हुए एक केमिकल प्लांट को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने आरोप लगाया

है कि इस प्लांट में ऐसी इटालियन कंपनी की मशीनरी लगाई गई है, जो यूरोप में स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों के कारण बदनाम रही है। उनका दावा है कि इस प्लांट से अब वही खतरनाक रसायन निकल रहे हैं, जो लोगों के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं।

रोहित पवार ने सोशल मीडिया पर कहा कि रत्नागिरी के एमआईडीसी क्षेत्र में लक्ष्मी ऑर्गेनिक केमिकल्स द्वारा लगाए गए प्लांट में इटली की विवादित कंपनी 'मितेनी' की मशीनरी इस्तेमाल की गई है। उनका कहना है कि इटली के विसेंजा इलाके में इसी कंपनी के पीएफएएस रसायनों से जलाशय दूषित हुआ था, जिससे करीब तीन लाख लोग प्रभावित हुए। जनता के विरोध के बाद वहां कंपनी को बंद करना पड़ा और वही मशीनरी भारत लाकर यहां लगा दी गई।

पीएफएएस रसायन क्यों खतरनाक?

पीएफएएस यानी पर और पॉली फ्लोरो एल्काइल सब्सटेंस ऐसे सिंथेटिक रसायन हैं, जो लंबे समय तक पर्यावरण में बने रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इनका संबंध कैंसर, हार्मोनल गड़बड़ी और अन्य गंभीर बीमारियों से जोड़ा जाता है। रोहित पवार ने सवाल उठाया कि जब भारत में पीएफएएस को नियंत्रित करने के लिए कोई स्पष्ट कानून नहीं है, तब इतनी खतरनाक इंडस्ट्री को अनुमति कैसे दी गई।

मामले में क्या बोली सरकार?

मामले पर महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने कहा कि रत्नागिरी के लोटे परशुराम एमआईडीसी क्षेत्र में लगे इस प्लांट में फिलहाल विवादित रसायन का उत्पादन नहीं हो रहा है। उन्होंने बताया कि मीडिया रिपोर्ट्स के बाद महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से जानकारी मांगी गई थी, जिसमें बताया गया कि अब तक ऐसे रसायन नहीं बनाए गए हैं।

उद्योग मंत्री ने कहा कि यह भी जांच की जा रही है कि इटली से लाई गई मशीनरी के लिए जरूरी मंजूरियां ली गई थीं या नहीं। एमपीसीबी ने इस मामले में कंपनी को नोटिस जारी कर दिया है। सरकार का कहना है कि कोंकण क्षेत्र में किसी भी कीमत पर पर्यावरण या लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। वहीं विपक्ष मांग कर रहा है कि पूरे मामले की स्वतंत्र और पारदर्शी जांच हो।

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रोजाना उड़ेंगी 25 उड़ानें, दो करोड़ यात्रियों को संभालने में सक्षम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

एएसजी, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआई/एनएमआईए) पर गुरुवार से उड़ान संचालन का सफल प्रारंभ हो गया है। सीआईएसएफ के मुताबिक, हवाई अड्डे के परिचालन की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस हवाई अड्डे से पहली निर्धारित उड़ान, हैदराबाद के लिए सुबह 8:40 बजे रवाना हुई। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रोजाना 25 फ्लाइटें उड़ान भरेंगी। यह हवाई अड्डा, हर साल दो करोड़ यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। चरणबद्ध क्षमता वृद्धि और एयरलाइन नेटवर्क विस्तार के अनुरूप, इस हवाई अड्डे पर जनवरी 2026 के अंत तक उड़ान आवृत्ति बढ़कर प्रतिदिन 40 प्रस्थान होने की उम्मीद है।

सीआईएसएफ के अनुसार, परियोजना को कार्यान्वित करने वाली एजेंसियों द्वारा वर्षों की योजना, विकास और अवसंरचना कार्य के बाद, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वाणिज्यिक संचालन आधिकारिक तौर पर 25 दिसंबर से प्रारंभ हो गया है। टर्मिनल पर आने-जाने वाले यात्रियों का स्वागत नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड के अधिकारियों और सहयोगी एयरलाइन के प्रतिनिधियों द्वारा किया गया।

निर्धारित उड़ान संचालन शुरू होने से पहले, नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो के मानकों का पूर्ण अनुपालन करते हुए सभी आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए गए, जिससे यात्रियों और कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हुआ। महाराष्ट्र के नवी मुंबई जिले के उल्वे में स्थित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, भारत के नागरिक उड्डयन अवसंरचना का एक महत्वपूर्ण विस्तार है। मुंबई में मौजूदा छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ एक प्रमुख विमानन प्रवेश द्वार के रूप में डिजाइन किया गया है। यह हवाई अड्डा, भारत के सबसे व्यस्त विमानन बाजारों में से एक में भीड़भाड़ को कम करने में मदद करेगा।

यह हवाई अड्डा अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स और सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के नेतृत्व में सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड के माध्यम से विकसित किया गया है। इसमें एक आधुनिक टर्मिनल और रनवे है, जो अपने पहले चरण में प्रति वर्ष 2 करोड़ यात्रियों को संभालने में सक्षम है। भविष्य के चरणों में क्षमता को काफी बढ़ाने की योजना है। इस सुविधा को आईएटीए हवाई अड्डा कोड 'एनएमआई' और आईसीएओ कोड 'वीएएनएम' आवंटित किया गया है, जो वैश्विक विमानन प्रणालियों में इसकी पहचान को मजबूत करता है।

भाजपा ने मनसे और शिवसेना यूबीटी के खेमे में लगाई सेंध, एमएनएस प्रदेश महासचिव ने छोड़ी पार्टी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। नगर निगम चुनावों से पहले महाराष्ट्र के नासिक में गुरुवार को को बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला। शिवसेना यूबीटी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कई नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया। इन नेताओं में सबसे चौंकाने वाला नाम मनसे के प्रदेश महासचिव दिनकर पाटिल का है।

महज एक एक दिन पहले वह राज ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी और शिवसेना (यूबीटी) के गठबंधन का जश्न मना रहे थे, लेकिन आज वह अपने बेटे और पूर्व पार्षद पत्नी लता पाटिल के साथ भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा मंत्री गिरीश महाजन की मौजूदगी में पाटिल

के अलावा पूर्व मनसे विधायक नितिन भोसले, मनसे के पहले मेयर यतिन वाघ, शिवसेना (यूबीटी) के पूर्व मेयर विनायक पांडे सहित कांग्रेस नेता शाहू खैरे और संजय चव्हाण भाजपा में शामिल हुए।

पार्टी दफ्तर में प्रदर्शन

इस मौके पर महाजन ने कहा कि लोग भाजपा की विचारधारा में विश्वास करने की वजह से पार्टी में शामिल हो रहे है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी 122 सदस्यों वाले नासिक नगर निगम में 100 से अधिक सीटें जीतेगी। इस बीच नासिक सेंट्रल विधायक देवयानी फरांदे ने पांडे, वाघ और खैरे के पार्टी में शामिल होने का विरोध किया। उनके समर्थकों और पार्टी के अन्य वफादारों ने पार्टी दफ्तर में प्रदर्शन किया।

फरांडे ने कहा एक फेसबुक पोस्ट में कहा, मैं आज वार्ड नंबर 13 में लोगों के प्रवेश का स्पष्ट रूप से विरोध करती हूं। मैं स्थापित लोगों के खिलाफ लड़ने वाले हिंदुत्व पार्टी के कार्यकर्ताओं का दृढ़ता से समर्थन करती हूं। चुनाव प्रमुख होने के नाते, मुझसे इस मुद्दे पर कोई सवाल नहीं पूछा गया है। जय श्रीराम। महाराष्ट्र में 29 नगर निगमों के लिए 15 जनवरी को मतदान होगा और अगले दिन वोटों की गिनती होगी।

शिवसेना यूबीटी-मनसे गठबंधन से कांग्रेस ने बनाई दूरी, बीएमसी चुनाव में मुकाबला हुआ बहुकोणीय

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कांग्रेस ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव अकेले लड़ने का फैसला किया है। कहा जा सकता है कि मुंबई नगर निगम चुनाव से पहले एमवीए बंट गया है। अगले साल 15 जनवरी को होने वाले चुनाव बहुकोणीय बन गए हैं। कांग्रेस ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की एमएनएस के बीच गठबंधन को नगर निगम चुनावों के लिए महाविकास अघाड़ी (एमवीए) व्यवस्था से बाहर निकलने का कारण बताया।

जानकारों ने क्या कहा?

राजनीतिक जानकारों के अनुसार, कांग्रेस का अकेले लड़ने का कदम, स्थानीय मुद्दों और वैचारिक स्पष्टता पर ध्यान केंद्रित करना, रणनीतिक बदलाव और राजनीतिक कमजोरी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह एक साहसिक दांव है, लेकिन एक ऐसे राजनीतिक माहौल में जोखिम भरा है जहां मजबूत गठबंधन और उभरते प्रतिद्वंद्वी हावी हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई में कांग्रेस इस स्थिति से कैसे निपटती है, इसका महाराष्ट्र और उससे बाहर उसके राजनीतिक भविष्य पर लंबे समय तक असर पड़ सकता है।

ऐतिहासिक रूप से कांग्रेस मुंबई की नगर निगम राजनीति में एक प्रमुख शक्ति थी, लेकिन पिछले तीन दशकों में उसकी सीटों की संख्या में लगातार गिरावट आई है। 2017 के पिछले चुनावों में तत्काली अविभाजित शिवसेना (84) और भाजपा (82) बराबरी पर थीं, जबकि कांग्रेस की सीटों की संख्या घटकर सिर्फ 31 रह गई थी।

कांग्रेस ने क्या कहा?

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि वे महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के साथ गठबंधन नहीं कर सकते क्योंकि उनके विचारों में बहुत अंतर है, खासकर भाषाई पहचान और प्रवासी मुद्दों पर उसके रुख को लेकर, जिसके बारे में उनका तर्क है कि यह उनकी पार्टी की समावेशी छवि के विपरीत है। इसको लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी रमेश चेन्निथला ने कहा है, 'हम ऐसे गठबंधन का हिस्सा नहीं बन सकते जो विभाजनकारी

राजनीति को बढ़ावा देता है।' पार्टी नेताओं ने कहा कि कांग्रेस की रणनीति अल्पसंख्यक, दलित और प्रवासी मतदाताओं को एकजुट करने पर केंद्रित है, जो श्ए के महा विकास अघाड़ी के साथ संबंधों से असहज हो सकते हैं।

भ्रष्टाचार और स्थानीय मुद्दों पर घेराबंदी

एमवीए में कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) शामिल हैं, जबकि महायुति में भाजपा, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल है। कांग्रेस ने यह भी संकेत दिया है कि उसका कैंपेन इंफ्रास्ट्रक्चर, बाढ़, वायु प्रदूषण और बीएमसी के कामकाज में कथित भ्रष्टाचार जैसे स्थानीय मुद्दों पर फोकस करेगा। यह रणनीति उन्हें एक तरफ भाजपा-शिंदे गठबंधन (महायुति) को घेरने का मौका देती है, तो दूसरी तरफ उद्धव ठाकरे की सेना से भी दूरी बनाने में मदद करती है, जिनका दो दशकों तक बीएमसी पर नियंत्रण रहा है।

जोखिम और ऐतिहासिक चुनौतियां

भले ही यह कदम साहसिक लगे, लेकिन इसके जोखिम भी कम नहीं हैं। पिछले तीन दशकों में बीएमसी में कांग्रेस का ग्राफ लगातार गिरा है। 2017 में पार्टी महज 31 सीटों पर सिमट गई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि विपक्ष के बंटने का सीधा फायदा भाजपा-शिवसेना (शिंदे) गठबंधन को मिल सकता है। इस फैसले से कांग्रेस को शहर में संगठनात्मक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में जमीनी स्तर पर उसकी मौजूदगी कमजोर हुई है, जिससे सभी 227 वार्डों में मजबूत उम्मीदवार उतारने की उसकी क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं।

मुंबई में आवासीय इमारत में आग, 40 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई । मुंबई के अंधेरी पश्चिम इलाके

में स्थित 23 मंजिला आवासीय इमारत में बृहस्पतिवार सुबह आग लगने के बाद लगभग 40 लोगों को वहां से सुरक्षित निकाला गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि आग लगने की घटना वीरा देसाई रोड पर कंट्री क्लब के पास सोरेंटो टॉवर में सुबह करीब 10 बजे हुई, हालांकि इसमें कोई घायल नहीं हुआ। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि 16वीं मंजिल से सीढ़ियों के माध्यम से 30-40 लोगों को नीचे उतारा गया, जबकि एक महिला सहित तीन अन्य लोगों को 15वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

उन्होंने बताया कि आग से 10वीं से 21वीं मंजिल के बीच स्थित विद्युत शाफ्ट में तार और अन्य उपकरण प्रभावित हुए, साथ ही विभिन्न मंजिलों पर 'डक्ट' के पास स्थित राउटर, जूतों की अल्मारियां और लकड़ी के फर्नीचर प्रभावित हुए।

अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग ने कम से कम चार दमकल वाहन और अन्य साजो सामान की मदद से सुबह 11:37 बजे आग पर काबू पा लिया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

मुंबई महानगर क्षेत्र में पहचान की राजनीति से आगे निकले मतदाता, अब इन मुद्दों पर होगी चुनावी लड़ाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र में 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय चुनावों में मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के मतदाता इस बार जाति, भाषा और पहचान की राजनीति से आगे बढ़कर पानी, प्रदूषण, घर, यातायात और सार्वजनिक सेवाओं जैसे रोजमर्रा के मुद्दों पर जवाब चाहते हैं। राज्य की 29 नगर निगमों में से नौ नगर निगम एमएमआर से हैं; मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, वसई-विरार, भिवंडी, मीरा-भायंदर, उल्हासनगर और पनवेल। इन सभी शहरों में तेज शहरीकरण ने नागरिक सुविधाओं पर भारी दबाव डाल दिया है।

पहचान की राजनीति के बीच असली सवाल

जहां एक ओर 'मराठी मानूस', जाति और धर्म जैसे मुद्दे चुनावी बहस में हैं, वहीं दूसरी ओर बुनियादी सुविधाओं की अभाव में जी रहे लोगों की चिंता बढ़ा दी है। इसी को देखते हुए राजनीतिक दल और उम्मीदवार अपने चुनावी वादों में बदलाव कर रहे हैं।

सरकार के कदम और विपक्ष की आपत्ति

हाल ही में राज्य सरकार ने एमएमआर में 20000 से ज्यादा बिना अधिभोग प्रमाणपत्र (ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट) वाली इमारतों को नियमित करने के लिए एक माफी योजना की घोषणा की। इसके अलावा मुंबई की पुरानी 'पगड़ी' इमारतों के पुनर्विकास के लिए नया नियम भी लाया गया है। सरकार कोस्टल रोड, अटल सेतु और मेट्रो परियोजनाओं को अपनी बड़ी उपलब्धि बता रही है, वहीं विपक्ष का आरोप है कि लोकल ट्रेन और बस सेवाएं लगातार खराब हुई हैं, और मेट्रो परियोजनाओं में देरी आम लोगों की परेशानी बढ़ा रही है।

प्रदूषण बना चुनावी मुद्दा

हवा की खराब गुणवत्ता अब सीधा चुनावी मुद्दा बन चुकी है, खासकर उन इलाकों में जहां उद्योग और रिहायशी इलाके साथ-साथ हैं। नवी मुंबई में युवाओं ने निर्माण से उठती धूल, पुराने वाहनों से निकलता धुआं और घटते हरित क्षेत्र को प्रदूषण की बड़ी वजह बताया है। हाल ही में उन्होंने शांत मानव श्रृंखला बनाकर नेताओं से साफ हवा का वादा मांगा।

पानी, सफाई और ट्रैफिक की मार

एमएमआर के कई इलाकों में पानी की कटौती, कम दबाव, पुरानी पाइपलाइन और अपर्याप्त भंडारण बड़ी समस्या हैं, जबकि क्षेत्र में भरपूर बारिश होती है। कचरा प्रबंधन भी गंभीर चुनौती है; डंपिंग ग्राउंड भर चुके हैं, कचरा अलग-अलग करने की व्यवस्था अधूरी है और नालों की सफाई न होने से बार-बार जलभराव होता है।

बढ़ती आबादी, कमजोर ढांचा

मुंबई का 2025-26 का बजट करीब 75,000 करोड़ रुपये है, फिर भी शहर को जाम और नागरिक सुविधाओं की कमी से जूझना पड़ रहा है। वहीं वसई-विरार, उल्हासनगर और भिवंडी जैसे शहरों में आबादी तेजी से बढ़ी है, लेकिन सड़क, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सुविधाएं उसी गति से नहीं बढ़ीं। इसका नतीजा है, महंगी जिंदगी और घटती जीवन गुणवत्ता।

घर और किराया भी चिंता

तेज शहरीकरण के कारण पूरे एमएमआर में घर और किराए महंगे हो गए हैं। मुंबई पहले से ही देश के सबसे महंगे शहरों में है, और अब उसके उपनगरों में भी आम आदमी के लिए घर लेना मुश्किल होता जा रहा है। इसी वजह से किफायती आवास, झुग्गी पुनर्विकास और जोनिंग जैसे मुद्दे चुनावी चर्चा के केंद्र में हैं।

रोज का सफर, सबसे बड़ी परेशानी; स्वास्थ्य और शिक्षा की मांग

लोकल ट्रेन की भीड़, लंबा सफर, आखिरी मील की कनेक्टिविटी की कमी और बरसात में गड्ढों से भरी सड़कें, ये समस्याएं ठाणे, कल्याण-डोंबिवली और पनवेल से जुड़े इलाकों में मतदाताओं के मूड को सीधे प्रभावित कर रही हैं। हालांकि मेट्रो और रेलवे विस्तार की योजनाएं हैं, लेकिन लोग तुरंत सुधार चाहते हैं, जो अब तक कई जगह नजर नहीं आ रहा।

सम्पादकीय

सांसों का संकट, 400 पार पहुंचा एक्यूआई, हाईकोर्ट ने पूछा- एअर प्यूरीफायर पर जीएसटी क्यों नहीं?

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हर साल सर्दियां आते ही यहां के बाशिंदों की सांसों पर संकट मंडराने लगता है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद यहां की वायु स्वच्छ नहीं हो पा रही है। हवा में घुलता प्रदूषण का जहर आमजन की सेहत पर भारी पड़ रहा है। हालत यह है कि मंगलवार को दिल्ली का वायु गणवत्ता सूचकांक चार सौ अंक पार कर गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। दिल्ली से सटे नोएडा की पहचान तो देश के सबसे प्रदूषित शहर के रूप में की गई।

दिल्ली हाई कोर्ट ने भी बुधवार को इस पर चिंता जताई और कहा कि ऐसी 'आपात स्थिति' में सरकार को वायु साफ करने वाले उपकरणों (एअर प्यूरीफायर) पर कर में छूट देने को लेकर विचार करना चाहिए। इसके लिए जीएसटी परिषद को जल्द से जल्द बैठक बुलाने का निर्देश दिया गया। ऐसे में सवाल है कि आखिर शासन एवं प्रशासन प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए कोई स्थायी एवं प्रभावी योजना लागू क्यों नहीं कर पा रहे हैं? इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि जो उपाय लागू किए गए हैं, क्या उन पर व्यावहारिक रूप से अमल हो पा रहा है या नहीं।

यह लंबे समय से बहस का विषय रहा है कि आखिर दिल्ली में प्रदूषण क्यों बढ़ रहा है। इसके लिए कभी पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं को जिम्मेदार ठहराया जाता है, तो कभी दिल्ली-एनसीआर में बढ़ती वाहनों की संख्या तथा उद्योग और निर्माण एवं ध्वस्तीकरण कार्यों को वजह बताया जाता है। मगर इन दिनों तो पराली जलाने की घटनाएं भी बहुत कम सामने आ रही है, फिर दिल्ली की वायु गुणवत्ता का स्तर गंभीर श्रेणी तक कैसे पहुंच रहा है!

जाहिर है कि इसके पीछे कोई एक वजह नहीं हो सकती, इसलिए प्रदूषण के सभी स्रोतों का ईमानदारी से आकलन करने की जरूरत है। दूसरा, यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि दिल्ली उच्च न्यायालय के सुझाव पर अगर वायु साफ करने वाले उपकरणों पर सरकार जीएसटी में छूट दे देती है, तो इसका लाभ भी आर्थिक रूप से सक्षम तबके तक ही सीमित रहेगा।

बाकी आम लोगों को तो जहरीली हवा में ही सांस लेना पड़ेगा, उनके स्वास्थ्य की चिंता कौन करेगा। जबकि इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय अपने एक आदेश में कह चुका है कि स्वच्छ हवा पर सभी नागरिकों का अधिकार है।दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का एक पहलू यह भी है कि मूल समस्या की जड़ तक जाने की बजाय इस पर राजनीति ज्यादा हावी होने लगी है। सियासी दल अपनी जिम्मेदारी और जवाबदेही से पल्ला झाड़ने के लिए एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ते रहते हैं। दिल्ली में सत्तारूढ़ दल भाजपा का तर्क है कि आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कारगर कदम नहीं उठाए गए। वहीं, आम आदमी पार्टी का कहना है कि भाजपा अपनी जवाबदेही से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के आरोप लगा रही है।

सवाल है कि क्या इस तरह के आरोप-प्रत्यारोप से प्रदूषण की गंभीर होती समस्या का समाधान निकल पाएगा? जहरीली हवा की वजह से जो लोग विभिन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं, उसके लिए कौन जिम्मेदार है। समय आ गया है कि मानव जीवन की रक्षा को सर्वोपरि मानकर प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सामूहिक प्रयास किए जाएं, ताकि सभी नागरिक स्वच्छ हवा में सांस ले सकें।

मानहानि और मुकदमे, अखिलेश यादव की मीडिया से नाराजगी कितनी जायज?

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव अक्सर मीडिया के प्रति नाराजगी खुले मंचों से जाहिर करते हैं। वह पत्रकारों से उनकी जाति भी पूछ लेते हैं। हाल की एक प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने एक मीडिया समूह पर मानहानि का केस करने की बात भी सार्वजनिक रूप से कही है। तो अखिलेश की नाराजगी पर दो अहम सवाल उठते हैं। पहला कि खुद उनके शासनकाल में यूपी में मीडिया की क्या स्थिति थी? दूसरा, क्या अखिलेश को खुद को यानी उनकी पार्टी के कदमों को मीडिया की आलोचना से ऊपर मानते हैं?

पहले इस सवाल पर बात करते हैं कि उत्तर प्रदेश में 2012 से 2017 के दौरान मीडिया की स्थिति कैसी थी? 2016 की बात है। अखिलेश शासन का चौथा साल चल रहा था। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स नाम के संगठन ने 'वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स रिपोर्ट' में उत्तर प्रदेश को भारत में पत्रकारों के लिए 'सबसे खतरनाक क्षेत्रों' में रखा था। रिपोर्ट कहती है कि 2015 में यूपी में 4 पत्रकार मारे गए और हर महीने हमले हुए।

'प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया' और कुछ मीडिया वॉचडॉग्स ने उस समय राज्य में पत्रकारों की सुरक्षा और मीडिया के साथ सरकार के संबंधों पर रिपोर्ट दी थी। अखिलेश सरकार में पत्रकारों पर खतरों को लेकर इन रिपोर्ट्स में स्पष्ट चिंता जाहिर की गई थी।

अखिलेश सरकार में मीडिया रिपोर्टिंग के खतरों को शाहजहांपुर के पत्रकार जगेंद्र सिंह हत्याकांड से अच्छे से समझा जा सकता है। मामला जून 2015 का है। जगेंद्र सिंह उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के एक स्वतंत्र पत्रकार थे, जो मुख्य रूप से फेसबुक पेज 'शाहजहांपुर समाचार' के माध्यम

से स्थानीय मुद्दों, भ्रष्टाचार और राजनीतिक गतिविधियों पर रिपोर्टिंग करते थे। जगेंद्र ने तत्कालीन पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री राम मूर्ति वर्मा पर अवैध खनन, भूमि कब्जा और एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से गैंगरेप जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। ये पोस्ट मई 2015 में वायरल हुईं, जिसमें जगेंद्र ने वर्मा की संपत्ति और अपराधों पर सवाल उठाए।

1 जून 2015 को दोपहर में पुलिस और कुछ गुंडों ने जगेंद्र के घर पर छापा मारा। परिवार के अनुसार, वे जगेंद्र को मंत्री के खिलाफ लिखने से रोकने आए थे। जगेंद्र उस समय उसी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का इंटरव्यू ले रहे थे, जिसने वर्मा पर रेप का आरोप लगाया था।

पुलिस ने घर में घुसकर जगेंद्र को पीटा और उन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। जगेंद्र के बेटे राघवेंद्र ने यह सब अपनी आंखों से देखा। गंभीर रूप से झुलसे जगेंद्र को पहले स्थानीय अस्पताल और फिर लखनऊ के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में जगेंद्र ने एक वीडियो में मरते हुए बयान दिया: 'मंत्री राम मूर्ति वर्मा ने मुझे मरवाया। वे मुझे पीट सकते थे, गिरफ्तार कर सकते थे, लेकिन जलाया क्यों? पुलिस इंस्पेक्टर श्री प्रकाश राय और उनके साथियों ने मुझे जिंदा जला दिया।'

यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और मामले ने राष्ट्रीय ध्यान खींचा। 8 जून 2015 को जगेंद्र की मौत हो गई। उनका शरीर 60इ से ज्यादा जल गया था। मामले में जगेंद्र के बेटे राघवेंद्र की शिकायत दर्ज हुई, जिसमें मंत्री राम मूर्ति वर्मा, इंस्पेक्टर श्री प्रकाश राय और चार अन्य (गुफरान, आकाश गुप्ता आदि) पर हत्या, साजिश और धमकी के आरोप लगे। पांच पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया।

इतने भयंकर विरोध के बावजूद अखिलेश सरकार ने इसे आत्महत्या बताने की कोशिश की। फोरेंसिक रिपोर्ट में कहा गया कि आग खुद से लगाई गई लगती है। एक गवाह (वही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता) ने बाद में बयान बदल लिया। मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने परिवार से मिलकर 30 लाख रुपये मुआवजा और दो बेटों को सरकारी नौकरी दी, लेकिन मंत्री को नहीं हटाया। राम गोपाल यादव ने कहा कि ईंधमात्र से मंत्री को नहीं हटाया जा सकता। जांच राज्य पुलिस के पास रही और कोई बड़ा एक्शन नहीं हुआ।

जगेंद्र सिंह हत्याकांड की पूरी जानकारी सार्वजनिक डोमेन में है। कोई भी गूगल पर सर्च करके इस केस के बारे में पूरी जानकारी हासिल सकता है। अखिलेश यादव के शासनकाल में मीडिया पर हमले का सबसे जघन्य उदाहरण था। हालांकि ऐसा नहीं है कि मीडिया पर यह आखिरी हमला था। लेकिन बाकी के हमले इतने जघन्य नहीं थे। उनकी जानकारी भी हम आगे देंगे। इस लेख की शुरुआत में दो अहम सवाल उठाए गए थे। दूसरा सवाल था कि क्या अखिलेश को खुद को यानी उनकी पार्टी के कदमों को मीडिया की आलोचना से ऊपर मानते हैं? तो इस सवाल का जवाब पिछले कुछ वर्षों में सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा मीडियाकर्मियों के साथ बदसलूकी के मामले हैं।

2021 में मुरादाबाद में अखिलेश की रैली थी। जिले के एक होटल में पार्टी का ट्रेनिंग कैंप चल रहा था। इस कैंप के दौरान ही जब मीडिया के लोगों ने अखिलेश यादव से सवाल करना शुरू किया तो वह भड़क गए। उन्होंने कहा- 'आप लोग बिके हुए पत्रकार हो, सिर्फ मुझसे ही पूछते हो, बीजेपी के क्यों नहीं पूछते।' बताते हैं कि अखिलेश ने खुद कैमरे के सामने अपने सुरक्षाकर्मियों से कहा था कि इन्हें (पत्रकारों को) मारो। हालत यह हुई कि कई पत्रकारों ने होटल के रसोई में छिपकर अपनी जान बचाई।

पीडीए की राजनीति को मजबूती देने का दावा करने वाले अखिलेश सीधे तौर पर पत्रकारों का सरनेम और जाति भी पूछ लेते हैं। अगर कोई उनकी खुद की जाति पूछ ले तो भड़क जाते हैं। ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसमें अखिलेश पत्रकार से पूछते हैं कि जाति क्या है आपकी, अन्य पिछड़ा वर्ग हो? इस पर कोई बताता है कि 'मिश्रा' हैं तो अखिलेश कहते हैं कि अरे मिश्रा जी! मिश्रा जी कुछ तो शर्म करो!

कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर इस वीडियो को देख सकता है और अखिलेश यादव के व्यंग्य को समझ सकता है। क्या अखिलेश किसी अन्य पार्टी के नेता से यह बर्दाश्त कर पाएंगे कि वह किसी पत्रकार से 'यादव' सरनेम की वजह से बदसलूकी करे या फिर कहे कि शर्म करो। तो फिर 'मिश्रा' होने पर ऐसी नाराजगी क्यों?

अप्रैल 2025 में अखिलेश यादव ने सार्वजनिक मंच से कुछ मीडिया समूहों का बहिष्कार करने की बात कही। आखिर लोकतंत्र में कोई राजनीतिक पार्टी या नेता कैसे किसी मीडिया समूह के बहिष्कार का आह्वान कैसे कर सकता है? नवंबर 2025 में भी आजमगढ़ की एक रैली और संसद सत्र के दौरान अखिलेश ने मीडिया पर पक्षपाती होने का आरोप लगाया।

अखिलेश यादव को यह समझना चाहिए कि वह एक लोकतांत्रिक देश के नेता हैं। किसी तानाशाही राष्ट्र में नहीं हैं। मीडिया समूहों के बहिष्कार के जरिए वे लोकतंत्र के एक पूरे स्तंभ का बहिष्कार कर रहे हैं। आलोचनात्मक मीडिया को भी राजनीतिक पार्टियों और नेताओं को सकारात्मक ढंग से लेना चाहिए। अखिलेश जब मीडिया पर आरोप लगाते हैं तो उन्हें अपने शासनकाल की तरफ भी नजर घुमाकर देखना चाहिए। कई बार केवल मीडिया पक्षपाती नहीं होता, आपका नजरिया भी पक्षपाती होता है।

खयालों में खोना वक्त की बर्बादी नहीं, आत्मा के सांस लेने जैसा है; जानिए व्यस्तता के बीच क्यों जरूरी है एकांत?

हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां हर पल या कहें कि सेकंड की कीमत तय है। मोबाइल ऐप से लेकर कार्यस्थल की बैठक तक, हर जगह 'उत्पादकता' का शोर है। इस क्रम में लोग इस हद तक व्यस्त हो चुके हैं कि कई बार लगता है कि वे खुद को भूल गए हैं। वहीं चतुर्दिक छा रही इस तरह की व्यस्तता के माहौल में अगर कोई व्यक्ति थोड़ी देर के लिए खिड़की से बाहर बादलों को निहारने लगे, तो वहां मौजूद दूसरे लोग कहेंगे कि ध्यान दो, वक्त मत गंवाओ! सवाल है कि इस तरह ध्यान देने की सीमा क्या है।

अगर कोई व्यक्ति खयालों की दुनिया में विचरण करता है, तो क्या ऐसा करना उसका चुनाव नहीं होना चाहिए? आखिर यह सब कैसे धीरे-धीरे उससे छिनता जा रहा है? सवाल यह भी है कि क्या सचमुच खयालों में खो जाना वक्त की बर्बादी है या यह हमारे भीतर कुछ बेहद जरूरी बनाता और संजोता है।

सच यह है कि खयालों में खोना सिर्फ मन की चंचलता नहीं है। यह आत्मा के सांस लेने जैसा है। यह हमें शोरगुल से निकालकर भीतर के शांत कोने में ले जाता है। ऐसे ही क्षणों में हम अपनी थकी हुई चेतना को विश्राम देते हैं और अतीत, वर्तमान एवं भविष्य के धागों को बुनते हैं। कभी कोई पुरानी याद लौट आती है, कभी कोई नया विचार सिर उठाता है, तो कभी कोई अधूरा सपना आकार लेने लगता है। और दुनिया जानती है कि खयालों की इस तरह की दुनिया कई बार जमीन पर हकीकत बनने से पहले की एक जरूरी प्रक्रिया होती है।

इतिहास इसका साक्षी है। न्यूटन अगर बाग में बैठे गिरते सेब को देखकर विचारों में न डूबते, तो गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत शायद और देर से आता। आइंस्टीन भी सापेक्षता का सिद्धांत गढ़ने से पहले कई स्तर पर कल्पनात्मक प्रयोगों से गुजरे होंगे। रवींद्रनाथ ठाकुर नदी की धारा में देखते-देखते कविता बुनने लगे, जो आगे चलकर 'गीतांजलि' में दर्ज होकर अमर हुई। इस तरह के न जाने कितने उदाहरण हमारे आसपास बिखरे मिल जाएंगे। यह सब बताता है कि निष्क्रिय दिखने वाला 'खयालों में डूबना' दरअसल सक्रिय सृजन की जमीन है।

खयालों में खोने को सही ठहराने के क्रम में इसके बचाव की दलीलें असल में सिर्फ खयाल नहीं हैं। बल्कि आधुनिक विज्ञान और मनोविज्ञान भी इसे पुष्ट करते हैं। तंत्रिका विज्ञान के अनुसार, जब हम सपनों में खोते हैं, तो मस्तिष्क में एक नेटवर्क सक्रिय होता है, जो रचनात्मक सोच, समस्या के समाधान और आत्म-चिंतन के लिए जिम्मेदार है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि दिन में थोड़ी देर ध्यान को बिखरने देना लंबे समय में एकाग्रता और भावनात्मक संतुलन को मजबूत करता है।

विडंबना यह है कि आज का समाज लगातार 'करते रहने' को महत्त्व देता है, 'सिर्फ होने' की अहमियत नहीं समझता। ऐसे में खयालों में खोना एक तरह का प्रतिरोध है–इस समय-बोध के खिलाफ। जब हम रुककर खिड़की से बारिश देखते हैं, तो हम उस अदृश्य जाल से थोड़ी देर के लिए बाहर निकल आते हैं, जो हमें हर पल उत्पादक बनाए रखने की कोशिश करता है।

कला, साहित्य और संगीत की शुरुआत भी इसी से होती है। किसी चित्रकार के लिए यह कोई रंग की छाया हो सकती है, लेखक के लिए कोई धुंधला दृश्य या संगीतकार के लिए कोई अधूरी धुन। इन्हें आकार देने के लिए पहले इन बिखरे टुकड़ों में खोना पड़ता है, जैसे कोई बच्चा रेत में हाथ डालकर सीपियां खोजता है।

खयालों में खोना संवेदनशीलता की खेती भी करता है। यही हमें दूसरों के दुख को महसूस करने, किसी चेहरे में छिपी थकान को पहचानने और अनकही कहानियों को शब्द देने का हुनर देता है। यही संवेदनशीलता रचनात्मकता और सहानुभूति दोनों को जन्म देती है।

जीवन के कठिन दौर में भी इसी तरह के खयाल हमें थाम लेते हैं। किसी अस्पताल के इंतजार कक्ष में बैठे हम खिड़की से बाहर खेलते बच्चों को देखकर कुछ देर के लिए बीमारी का डर भूल जाते हैं। या फिर सफर में ट्रेन की खिड़की से गुजरते खेतों को देखकर अपने बचपन का गांव लौट आता है। ऐसे क्षण हमें स्थिर और मानवीय बनाए रखते हैं।

समाज अक्सर खयालों में खोने वालों को आलसी या अवास्तविक कह देता है, लेकिन सच्चाई यह है कि इस तरह के लोगों के बिना न नए विचार आते हैं, न कला, न विज्ञान और न ही बदलाव की राह खुलती है। सोच में डूबना भी उतना ही जरूरी काम है, जितना किसी तय किए गए अपने काम को पूरा करना है।

हालांकि यह भी सही है कि हर वक्त सपनों में खो जाना हमें ठोस जमीन से काट सकता है। मगर संतुलन बनाकर खयालों के लिए समय निकालना उतना ही जरूरी है, जितना सोना, खाना या सांस लेना। यह संतुलन ही तय करता है कि हम मशीन नहीं, इंसान बने रहें।

कई बार यह कहना जरूरी हो जाता है कि आखिरकार खयालों में खोना वक्त की बर्बादी नहीं है, बल्कि यह हमारे भीतर की दुनिया का निर्माण है। यही भीतर की दुनिया हमें संघर्षों में थामती है और कल के लिए उम्मीद देती है।

जब हम अपने भीतर से संवाद करते हैं, तब हम बाहर की दुनिया को भी एक नई दृष्टि दे सकते हैं। इसलिए अगली बार जब हम चलते-चलते किसी स्मृति, चेहरे या धुन में खो जाएं, तो किसी के दूसरी ओर ध्यान दिलाने पर उसमें उलझने और घड़ी देखने के बजाय उस क्षण को जी लेना चाहिए। हो सकता है, वही पल हमारे जीवन की सबसे मूल्यवान पूंजी बन जाए।

कागजों पर 'साइलेंस जोन', हकीकत में जानलेवा शोर; आखिर क्यों फेल हो रहे हैं नियम?

देश में शहरीकरण और औद्योगीकरण के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण का स्तर भी बढ़ता जा रहा है। अब यह केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं रहा, बल्कि अदृश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। वर्ष 2000 में सरकार ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम लागू किए, जिनके अंतर्गत अस्पतालों, स्कूलों और न्यायालयों के आसपास के क्षेत्रों को शांत क्षेत्र (साइलेंस जोन) घोषित किया गया।

इन नियमों का मुख्य उद्देश्य संवेदनशील क्षेत्रों में शोर का स्तर दिन में पचास डेसीबल और रात में चालीस डेसीबल से कम रखना था, जैसा कि नियमों की अनुसूची में निर्धारित है। मगर व्यावहारिक तौर पर इन मानकों का शायद ही कभी पालन हो पाया। विभिन्न सर्वेक्षण बताते हैं कि ढाई दशकों का समय बीतने के बाद भी देश के कई शहर पहले से कहीं अधिक शोरगुल वाले हो चुके हैं। सरकार की ओर से घोषित 'शांत क्षेत्रों' में भी ध्वनि प्रदूषण मानकों से कहीं ज्यादा रहता है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दस राज्यों में 82 स्टेशनों के साथ 'नेशनल एंबियंट नाइज मानिटरिंग नेटवर्क' शुरू किया था। यह नेटवर्क डेटा तो एकत्र करता है, लेकिन इसके आधार पर कोई वास्तविक समय पर नियामक कार्रवाई नहीं होती। भारत के पास अब नियम और निगरानी दोनों हैं, लेकिन मापने योग्य 'शांति' नहीं है।

चेन्नई, दिल्ली, लखनऊ, मुंबई, कोलकाता, बंगलुरु और हैदराबाद जैसे महानगर आज पहले से कहीं अधिक शोरगुल वाले हैं। राष्ट्रीय नेटवर्क के तहत निगरानी के अधीन 'शांत क्षेत्र' अब ध्वनि प्रदूषण से रहित वास्तविक सार्वजनिक स्वस्थ क्षेत्रों के बजाय केवल नीतिगत प्रतीक बनकर रह गए हैं। इसे संस्थागत विफलता कहा जाएगा या समन्वय की कमी?

दरअसल, मूल समस्या विभिन्न एजंसियों के बीच समन्वय की कमी में निहित है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से स्थापित मंच के माध्यम से ही डेटा एकत्र करते हैं। मगर नगर निकायों, यातायात पुलिस, स्वास्थ्य विभागों और स्थानीय प्रशासन के साथ कोई एकीकृत तालमेल नहीं है।

इसके अलावा ध्वनि प्रदूषण के प्रभाव को अनिद्रा, उच्च रक्तचाप या हृदय रोग जैसी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याओं से जोड़ने की कोई समन्वित प्रणाली भी मौजूद नहीं है। हालांकि ध्वनि प्रदूषण का डेटा और स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव दोनों अच्छी तरह प्रलेखित हैं, मगर कमी सिर्फ इन्हें जोड़कर आकलन करने वाले एकीकृत ढांचे की है।

'शांत क्षेत्रों' को अब तक मुख्यतः प्रशासनिक अधिसूचनाओं के रूप में देखा जाता रहा है, न कि सार्वजनिक स्वास्थ्य संरक्षण क्षेत्रों के रूप में। निगरानी उपकरणों का रखरखाव कमजोर है और बजट केंद्रीय स्तर पर सीमित रहता है, क्योंकि प्रवर्तन की संस्थागत जवाबदेही बिखरी हुई है।

नतीजा यह है कि कानून और डेटा मौजूद हैं, लेकिन प्रवर्तन कमजोर है और कार्रवाई नदारद। भारत में शोर केवल सहन ही नहीं किया जाता, बल्कि अक्सर उसे उत्सव की तरह अपनाया जाता है। शादी-ब्याह के बैंड, मंदिरों के लाउडस्पीकर, लगातार हार्न बजाना और जुलूस रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं, जिससे नागरिक अनुशासन पीछे छूट जाता है।

इस स्वीकृति के कारण लोग यह भूल जाते हैं कि शोर एक स्वास्थ्य समस्या है। शासन की प्राथमिकताएं आम तौर पर विकास परियोजनाओं की ओर झुकी रहती हैं, इसलिए शोर नियंत्रण नीचे खिसक जाता है। ध्वनि प्रदूषण के लिए नियमन अक्सर यातायात, व्यापार और राजनीति से टकराता है, जिससे उसका प्रवर्तन कठिन और अलोकप्रिय हो जाता है।

सर्वोच्च न्यायालय भी इस बात को दोहरा चुका है कि प्रदूषण-मुक्त वातावरण का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 का अभिन्न हिस्सा है। इसके बावजूद प्रवर्तन कमजोर बना हुआ है, सीमित नगर क्षमता और असंगत पुलिस प्रक्रिया के कारण। कई शहरों में अधिसूचित 'शांत क्षेत्र' आज भी खराब संकेतक, कम जन-जागरूकता और नियमित निगरानी के अभाव में केवल कागजों पर ही मौजूद हैं।

देश में 'शांत क्षेत्र' के लिए मानक दिन में पचास डेसीबल और रात में चालीस डेसीबल निर्धारित हैं। जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के मुताबिक, यातायात शोर दिन में 53 डेसीबल और रात में 45 डेसीबल से अधिक नहीं होना चाहिए। देश के सभी बड़े शहरों में भारतीय और विश्व स्वास्थ्य संगठन दोनों के मानकों का उल्लंघन हो रहा है।

शहरों की नियोजन योजनाएं आज भी 'शांत क्षेत्र' को तकनीकी सीमांकन के रूप में देखती हैं, न कि स्वास्थ्य-सुरक्षा क्षेत्रों के रूप में। इस स्थिति में देश को ऐसी प्रणाली की जरूरत है, जो पर्यावरणीय निगरानी को स्वास्थ्य डेटा और शहरी योजना से जोड़े। उदाहरण के लिए, ध्वनि निषेध क्षेत्र के आंकड़ों को अस्पतालों में दर्ज बीमारियों के बढ़ते दायरे, मानसिक स्वास्थ्य रिपोर्ट या यहां तक कि स्कूलों के प्रदर्शन संकेतकों से जोड़ा जा सकता है। ऐसा एकीकरण नीति निर्धारण के केंद्र को केवल 'प्रदूषण नियंत्रण' से हटाकर 'स्वास्थ्य-केंद्रित व्यवस्था' की ओर ले जाएगा।

'शांत क्षेत्रों' को प्रभावी बनाने के लिए जरूरी है कि ध्वनि प्रदूषण को सिर्फ नियंत्रित करने से आगे बढ़कर सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाए। इसके अलावा 'शांत क्षेत्रों' को सार्वजनिक स्वास्थ्य संरक्षण क्षेत्र के रूप में पुनर्परिभाषित करना होगा। उन्हें केवल 'हार्न वर्जित क्षेत्र' नहीं, बल्कि अस्पतालों, स्कूलों और संवेदनशील आबादी वाले इलाकों की रक्षा करने वाले शहरी स्वास्थ्य रक्षा क्षेत्रों के रूप में वर्गीकृत करना होगा। संस्थागत दायित्व और समन्वय को मजबूत करने की जरूरत है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को केवल निगरानी तक सीमित न रखकर उसे अंतर-एजंसी प्रोटोकॉल बनाने, अनुपालन लागू करने और स्वास्थ्य-आधारित मानक तय करने का अधिकार देना होगा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भूमिका अंतर-विभागीय समन्वय, नीति मार्गदर्शन और स्वास्थ्य-आधारित मानकों के विकास तक विस्तृत होनी चाहिए।

यानी प्रदूषण नियंत्रण से जुड़ी तमाम एजंसियों के काम करने के तरीकों में सुधार आवश्यक है। तभी शोर को कम करने का प्रयास एक सरकारी आदेश से बाहर निकलकर सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का मूल सिद्धांत बन सकेगा। देश में 'शांत क्षेत्र' अधिसूचित करने का वास्तविक मकसद इन क्षेत्रों को शोरगुल से दूर रखने का था। मगर केवल कागजों में कानून बना देने से ध्वनि प्रदूषण कम नहीं हो सकता, उसे शहरी नियोजन, प्रभावी प्रवर्तन और सामूहिक जागरूकता के माध्यम से गढ़ना पड़ता है।

समस्या पुराने नियमों की नहीं, बल्कि इस बात की है कि वे समय, विज्ञान और शहरी वास्तविकताओं के साथ विकसित नहीं हो पाए। आज शोर केवल एक पर्यावरणीय मुद्दा नहीं रहा, बल्कि यह स्वास्थ्य, शिक्षा और मानवीय गरिमा के अधिकारों से टकराने वाला संकट बन चुका है। मजबूत निगरानी और जवाबदेही के बिना 'शांत क्षेत्र' केवल सरकारी कागजों में उल्लेखित शब्द बनकर रह जाएगा। नियम-कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना होगा और लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करनी होगी।

ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण की प्रक्रिया में संसाधनों के अभाव को दूर करना भी जरूरी है। इस सुधार के बिना न तो ध्वनि प्रदूषण की सही तरीके से निगरानी हो सकेगी और न ही प्रभावी उपायों को धरातल पर ठीक तरह से उतारा जा सकेगा। आखिरकार, प्रदूषण रहित वातावरण का अधिकार कोई प्रतीकात्मक अवधारणा नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और मानवीय मूल्यों से जुड़ा मसला है।

हसनपुर कोरारी में हिंदू सम्मेलन का आयोजन, समाज को एकजुट रहने का संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। क्षेत्र के खंड बहरिया मंडल अंतर्गत हसनपुर कोरारी में खंड कार्यवाह अजय भास्कर के नेतृत्व में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परम पूज्य जगतगुरु महाराज राजकुमारानंद जी रहे। सम्मेलन की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ हुई।अपने उद्बोधन में जगतगुरु महाराज ने कहा कि हिंदू समाज भारत की गौरवशाली विरासत को बनाए रखने के साथ उसकी प्रभुता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने की सीख देता है।

हिंदू धर्म 'अहिंसा परमो धर्म' के सिद्धांत पर चलते हुए सबको साथ लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि समाज में समरसता और एकता की भावना जागृत करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, क्योंकि आने वाले समय में कई बड़ी चुनौतियां सामने होंगी।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शिव प्रकाश ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का एक सामान्य स्वयंसेवक भी बड़े-बड़े कार्यों की योजना बनाने में सक्षम होता है। संघ छोटे-छोटे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को एकजुट करने का निरंतर प्रयास कर रहा है। उन्होंने पंच परिवर्तन की अवधारणा पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

कहा कि आज देश का नेतृत्व एक स्वयंसेवक कर रहा है और भारत समर्थ एवं सशक्त बनकर आगे बढ़ रहा है, जिससे हर हिंदू गर्व के साथ अपनी पहचान कर सकता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वेद प्रकाश मिश्रा ने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापनकी घोषणा कीसम्मेलन के संयोजक त्र्यंबकमिश्रा, अजय प्रताप सिंह, पद्मेंद्र, शुभम मिश्रा रहे। सह संयोजक के रूप में वीर सिंह, लवलेशमिश्रा ग्राम प्रधान, भूपेंद्र प्रताप सिंह, राजेश बहादुर सिंह, आचार्य अनूप, शोभित, अंकित सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक बंधु उपस्थित रहे।

साहित्य के सूर्य और शब्दों के सागर थे अटल

भारत रत्न, राष्ट्र कवि पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेई जी के जन्म शताब्दी पर किया गया महाकुंभ की महा गाथा एवं जासूस बब्बन बिहारी का पुस्तक विमोचन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कलर्स आफ कल्चरल एंड आर्ट फाउंडेशन प्रयागराज के द्वारा पाम रिजॉर्ट रॉयल गार्डन कटरा के सभागार में भारत रत्न राष्ट्र कवि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी के जन्म शताब्दी के अवसर पर प्रयागराज प्रदर्शनी महाकुंभ की महागाथा और जासूस बब्बन बिहारी पुस्तक विमोचन समारोह आयोजित किया गया इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी को श्रद्धांजलि दी गई कार्यक्रम का शुभारंभ किया दीप प्रज्वलित कर वंदे मातरम गीत गायन के साथ किया गया इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौर एवं मुख्य अतिथि महापौर गणेश केसरवानी ने पुस्तक का विमोचन किया और पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी वाजपेई जी के जीवन पर दर्शन डालते हुए कहा कि पंडित अटल बिहारी वाजपेई साहित्य के सूर्य और शब्दों के

सागर थे उन्होंने अपनी कविता के माध्यम से राष्ट्र को एक नई चेतना दी और उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश बनाया।

इस अवसर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष राजेन्द्र मिश्रा प्रयाग पुस्तक मेला के प्रभारी मनीष गर्ग , ने कहा कि अटल जी स्वयं में मां भारती के रत्न थे।

इसके पूर्व फाउंडेशन के अध्यक्ष आशीष गुप्ता एवं संयोजक राहुल सागर ने आए हुए सभी अतिथि गणों का अंगवस्त्रम पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और पुस्तक के लेखक अंशू दीप धुसिंया और सह प्रशासन संजीव कुमार एवं डिजाइनर आलोक कुमार और प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना अंकिता मौर्य और सुफियान बैंड एवं के डी ग्रुप के सभी कलाकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजेश केसरवानी एवं कीर्ति साहू ने किया, कार्यक्रम के सह संयोजक उज्जवल जायसवाल रहे कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

इस अवसर पार्षद मुकेश लारा, रितेश मिश्रा, अधिवक्ता सुशील जैन, अर्शशर्मा, यस्मीत सागर, किशन जायसवाल, सिपाही लाल यादव, मनोज पांडे, अवनीश तिवारी, शत्रुघ्न जायसवाल, अजय अग्रहरि दीपक केसरवानी, लवकुश केसरवानी, कल्पना शर्मा हर्ष केसरवानी एवं फाउंडेशन के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुशासन दिवस एवं विकसित भारत -जी-राम-जी पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एनलाइटनमेंट इंडियन स्कूल, सरायपिथा, धनुपुर, हंडिया, प्रयागराज के परिसर में 'सुशासन दिवस और वीबी-जी-राम-जी' विषयक एक भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सुशासन दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख श्रीमती ज्योति यादव ने अपने उद्बोधन में छात्रों, शिक्षकों तथा ग्रामवासियों को सुशासन दिवस के महत्व एवं वीबी-जी-राम-जी की अवधारणा के बारे में विस्तृत एवं मूल्यवान जानकारी प्रदान की। मुख्य वक्ता राम बहादुर, सहायक शिक्षक ने भी सुशासन दिवस एवं वीबी-जी-राम-जी पर गहन जानकारी साझा की। उन्होंने अपने प्रभावशाली भाषण से उपस्थित सभी लोगों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में छात्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण के रूप में हरबिंद कुमार यादव लोकगीत पार्टी, प्रयागराज द्वारा मधुर लोकगीतों की प्रस्तुति तथा जादूगर रविन्द्र कुमार एंड पार्टी, प्रयागराज द्वारा मनोरंजक जादू का शो आयोजित किया गया, जिसने सभी दर्शकों को आनन्दित एवं मंत्रमुग्ध कर दिया। यह कार्यक्रम मेसर्स एन0ए0 मीडिया के माध्यम से सीबीसी, प्रयागराज के बलमुकुंद सिंह, सुनील कुमार एवं हरिलाल यादव के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कायस्थ सेवा ट्रस्ट की जिला कार्यकारिणी का गठन, समुदाय में उत्साह

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में कायस्थ सेवा ट्रस्ट के संस्थापक अजय कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में जनपद के मौर्या लॉज में संगठन की जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस कार्यक्रम में नीरज कुमार श्रीवास्तव को सिद्धार्थनगर जिले का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया।नई कार्यकारिणी में अन्य प्रमुख नियुक्तियां इस प्रकार हैं रवि प्रकाश श्रीवास्तव - जिला संयोजक पंकज श्रीवास्तव - महामंत्री राकेश कुमार - उपाध्यक्ष सचिन कुमार श्रीवास्तव - सचिव कार्यक्रम में ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य दुर्गेश श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव, जिला सचिव राजेश श्रीवास्तव, अरूण श्रीवास्तव, मंडल उपाध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव, मंडल वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दुर्गेन्द्र श्रीवास्तव, सलाहकार समिति के सदस्य नवीन श्रीवास्तव तथा बस्ती जनपद के जिलाध्यक्ष मुकेश श्रीवास्तव विक्रान्त श्रीवास्तव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।वही कायस्थ सेवा ट्रस्ट के संस्थापक अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि संगठन की एकता बनाये रखना सर्वोपरि है सभी लोग एक दूसरे के सुख दुख के साथी बने।वही उन्होंने कहा कि यह गठन कायस्थ समाज की सेवा और संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

चिल्ड्रेन नेशनल इंस्टीट्यूट के खास बच्चों ने किया रागगीरी कैलेंडर का विमोचन

कथक की कहानी बताने वाला अनोखा कैलेंडर लगातार 11 साल से प्रकाशित हो रहा है कैलेंडर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर भारत के बेहद लोकप्रिय शास्त्रीय नृत्य कथक पर आधारिक कैलेंडर को आज चिल्ड्रेन नेशनल इंस्टीट्यूट के खास बच्चों ने रिलीज किया। इस कैलेंडर को रागगीरी संस्था ने प्रभा खेतान फाउंडेशन के सहयोग से तैयार किया है। ये रागगीरी के कैलेंडर के प्रकाशन का लगातार 11वां साल है। चिल्ड्रेन नेशनल इंस्टीट्यूट के सचिव कर्नल आरके काक और जाने-माने तबला वादक डॉक्टर विनोद कुमार मिश्र ने बच्चों के साथ कैलेंडर का विमोचन किया। कैलेंडर को जाने-माने छायाकार मनीष खत्री ने डिजाइन किया है।

साल 2026 के कैलेंडर में बनारस की महान कथक नृत्यांगना सितारा देवी से लेकर पंडित बिरजू महाराज, पंडित दुर्गा लाल, पंडित राजेंद्र गंगानी, श्रीमती कुमुदिनी लखिया से लेकर शोवना नारायण और प्रेरणा श्रीमाली जैसे दिग्गज कलाकारों को शामिल किया गया है। इस कैलेंडर का मकसद शास्त्रीय कलाओं के प्रति आज की पीढ़ी को जागरूक करना है। जनवरी से लेकर दिसंबर तक सभी महीनों में कथक को लेकर बुनियादी जानकारी शामिल की गई है। इसमें कथक के इतिहास, पहनावे से लेकर इसके साहित्य तक की जानकारी को जगह दी गई है। रागगीरी संस्था इससे पहले शास्त्रीय संगीत के अलग-अलग पहलुओं पर कैलेंडर प्रकाशित कर चुकी है।

मुविवि में अटल जन्मोत्सव पर माल्यार्पण समारोह

प्रेरणा देती है अटल बिहारी की विरासत-प्रोफेसर सत्यकाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अटल बिहारी बाजपेयी सुशासन पीठ के तत्वावधान में भारतरत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के 101वें जन्मोत्सव के अवसर पर बृहस्पतिवार को सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में स्थापित अटल बिहारी बाजपेई के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। कड़ाके की ठंड और कोहरे के मध्य आयोजित माल्यार्पण समारोह में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई भारत माता के सच्चे सपूत थे। उनकी विरासत हमें प्रेरणा देती है। अटल जी की जयंती पर आज हम उनकी विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं। अटल जी के आदर्शों और विचारों को अपनाकर हम राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगे। कुलपति का स्वागत प्रोफेसर आनंदानंद त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ रविंद्र प्रताप सिंह ने अटल जी की कविताओं का एकल काव्य पाठ किया। विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने माल्यार्पण समारोह में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री के जन्म शताब्दी पर निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के अम्बेडकर सभागार में पूर्व प्रधानमंत्री/भारत रत्न अटल विहारी बाजपेयी की 101वीं जयन्ती/जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर लखनऊ में आयोजित मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा राष्ट्र प्रेरणा स्थल के उदघाटन कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक अरूण कुमार एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में देखा गया।

पूर्व प्रधानमंत्री/भारत रत्न अटल विहारी बाजपेयी जी की 101वीं जयन्ती/जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर जनपद स्तर पर अम्बेडकर सभागार में भारत रत्न अटल विहारी बाजपेयी जी के सुशासन, सुशासन के महत्व, उनके जीवन पर आधारित निबन्ध लेखन, भाषण, एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय के विजेताओं का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, जिलाधिकारी

शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मा0 सांसद डुमरियागंज ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुये पूर्व प्रधानमंत्री/भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी जी के सुशासन, चुनौतियों एवं दृढ़ संकल्प के बारे में अवगत कराया गया। उन्होने कहा कि अटल विहारी वाजपेयी जी के आदर्शों का अनुशरण कर अपने जीवन में समाहित करना चाहिए। उनका पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित था। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी जी के राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेकर अच्छा नागरिक बनना चाहिए और देश के विकास के लिए कार्य करना चाहिए। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का देश/प्रदेश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। उसमें हम सभी को सहभागी बनना चाहिए। सुशासन के संकल्प को लेकर आगे बढ़ना चाहिए। सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी जी एवं सुशासन विषय पर कक्षा 8 से 12 तक निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आकाश कनौजिया को 5000 एवं द्वितीय स्थान पूजा शुक्ला को 3000 रतन सेन इ0का0 बांसी एवं तृतीय स्थान रा0क0उ0मा0 मोहन कोला सुधांशु अग्रहरी को 2000 का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। स्नातक/परास्नातक वर्ग में भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी जी की उपलब्धियों एवं सुशासन के महत्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की प्रथम स्थान निकिता को 10000, द्वितीय स्थान शिवानी जायसवाल को 5000 तथा रा0 महाविद्यालय पचमोहनी खुशी मिश्रा को 2500 का चेक देकर सम्मानित किया गया। युवा छात्र/छात्राओं के मध्य भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी जी के जीवन एवं उनकी प्रमुख कविताओं पर आधारित एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के प्रथम स्थान कुशल त्रिपाठी को 10000, द्वितीय स्थान निकिता को 5000 तथा तृतीय स्थान अतुल उपाध्याय को 2500 का चेक देकर सम्मानित किया गया।

एक सोंच फाउंडेशन ने विंटर डोनेशन अभियान का दसवा साल पूरा, जरुरत मंदो को बाँटे गर्म कपड़े एवं मोज़े, जूते, कम्बल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सामाजिक संस्था 'एक सोंच फाउंडेशन'के संस्थापक सैयद मोहम्मद अब्बास हुसैन एडवोकेट के नेतृत्व में बीती रात टीम के साथियों ने शहर के दरगाह हजरत अब्बास दरियाबाद, नुरुल्ला रोड, मुस्तफा कम्पलेक्स, प्रयागराज रेलवे स्टेशन, चर्च सिविल लाइन, हनुमान मंदिर, बस अड्डा, मेडिकल कालेज, संगम क्षेत्र आदि सहित दर्जनों स्थानों पर खुले आसमान में सो रहे लोंगो को गर्म कपड़े, मोज़े, जूते, स्वेटर, जैकेट, कम्बल आदि सामग्री वितरित किया। संस्था के संस्थापक सैयद अब्बास हुसैन के अनुसार स्थापना के दस वर्ष पूरे हो चुके हैं। हर वर्ष की भांति इस साल भी जरुरत मंदो की मदद जारी है। यह संस्था उन्होंने अपने छात्र जीवन में सहपाथियों के साथ मिलकर बनाई थी। आज वकालत के पेशे में आने के बाद सामाजिक सहयोग की भावना से काम जारी है। सहयोग करने वालों में प्रमुख रुप से बसर एजाज, करन मौर्य, मो हमद, अली अब्बास, फराजखान, शिवेंद्र त्रिपाठी, आदर्श जायसवाल, नासिर हुसैन, अलोक त्रिपाठी, शहीद अंसारी, अरश अंसारी, अफजल अंसारी, सैफ सिद्दीकी, अहमद नवाज़, खुर्रम अली, अहद अंसारी, आरिफ हसन, कबीर हसन, सैफ अरशद आदि रहे।

कड़ाके की ठंड से बचने के लिए गरीब कल्याण संस्थान ने गरीबों में बांटे कंबल

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के ग्राम राजपुर धोबहा में गरीब कल्याण संस्था द्वारा आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम ने मानव सेवा की एक खूबसूरत तस्वीर पेश की। ठंड से परेशान गरीब और जरूरतमंद लोगों को कंबल देकर संस्था ने उनके चेहरे पर मुस्कान ला दी।

इस नेक कार्य से न सिर्फ लोगों को ठंड से राहत मिली, बल्कि समाज में आपसी सहयोग, दया और सेवा का मजबूत संदेश भी गया। कार्यक्रम के दौरान एक भव्य स्वागत समारोह और विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा, सामाजिक एकता और गरीबों के उत्थान पर सार्थक चर्चा हुई।संस्था के सेवा कार्यों से प्रभावित होकर दो दर्जन से अधिक लोगों ने सदस्यता ग्रहण की, जो इस बात का प्रमाण है कि गरीब कल्याण संस्था का काम लोगों के दिलों को छू रहा है।इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजक हरिशंकर मौर्या मुख्य अतिथि संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजसेवी रामगोपाल यादव, संगठन प्रभारी पप्पू चौहान, प्रदेश अध्यक्ष राम अवतार प्रजापति, बहरैची प्रसाद प्रेम, बालजी मौर्या, सतेन्द्र यादव, सर्वजीत

यादव, दीनानाथ, अमन गुलशन, नंदलाल, बालजीत यादव, दिनेश गौतम, बजरंगी प्रजापति, अध्यापकबाल मौर्य, ध्रुवचंद मौर्य, सत्येंद्र पाल यादव, राम शंकर यादव, डॉक्टर शंखराज शर्मा, डॉ रमेश मौर्य, हरिशंकर मौर्य , अफजल खान , राजेश साहू, रामपाल यादव, बजरंगी चौधरी, डॉ राजेंद्र प्रसाद मौर्य, राम तीरथ सहित एवं क्षेत्र के कई सम्मानित लोग मौजूद रहे। सभी मौजूद लोगों ने गरीब कल्याण संस्था के कार्यों की खुले दिल से प्रशंसा की और इसे समाज के लिए एक अनोखा कार्य बताया यह कार्यक्रम सिर्फ कंबल वितरण तक सीमित नहीं था, बल्कि यह समाज के लिए मानवता, और समाज सेवा का अनोखा उदाहरण बनकर सामने आया। गरीब कल्याण संस्था का यह प्रयास निस्संदेह प्रशंसनीय है और समाज को सही दिशा दिखाने वाला है।

ज़ी रिश्तों का मेला एक बार फिर लौट आया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी रिश्तों का मेला एक बार फिर लौट आया है और इस बार ज़ी कुटुंब 2026 का स्वागत बेहद भव्य और खास अंदाज़ में करने के लिए पूरी तरह तैयार है। न्यू ईयर स्पेशल में ज़ी टीवी के वो किरदार एक साथ नज़र आएंगे, जिन्हें दर्शक सालों से पसंद करते आए हैं। ये शाम मनोरंजन, अपनापन और ढेर सारी खुशियां लेकर आएगी। 31 दिसंबर को ऑन एयर होने वाला 'ज़ी रिश्तों का मेला : न्यू ईयर स्पेशल' मस्ती, म्यूज़िक और यादगार पलों से सजा एक शानदार सेलिब्रेशन साबित होगा।

अपने अनुभव साझा करते हुए श्रद्धा आर्य कहती हैं, 'एक मां होने की जिम्मेदारी निभाने और शूटिंग के बीच बैलेंस बनाना मेरे लिए एक खूबसूरत सीख रहा है। कुछ दिन ऐसे होते हैं जब सब थोड़ा भारी लगने लगता है और सेट पर रहते हुए बच्चों की बहुत याद आती है। शूटिंग करते वक्त भी दिल का एक हिस्सा हमेशा उनके साथ रहता है। लेकिन जब लंबे दिन के बाद घर लौटती हूं और बच्चे मुझे कसकर गले लगाते हैं, तो सारी थकान पल भर में गायब हो जाती है। वही पल मुझे याद दिलाता है कि मैं दोनों दुनियाओं को साथ संभालने की कोशिश क्यों करती हूं। घर और सेट, दोनों जगह से मिलने वाला प्यार और सपोर्ट मेरे सफर को आसान बना देता है।

पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न अटल बिहारी की मनाई गई जन्म शताब्दी

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के स्थित डिंडई चौराहे पर सुशासन के प्रणेता, भारतीय राजनीति के युगपुरुष एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया।कार्यक्रम का आयोजन भारतभारी चेयरमैन चंद्र प्रकाश चौधरी के संयोजकत्व में, समाजसेवी दीपेंद्र विक्रम सिंह की देखरेख तथा भाजपा मंडल अध्यक्ष रमेशधर द्विवेदी की अध्यक्षता में किया गया।मुख्य अतिथि गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री महेश शुक्ल तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह सहित उपस्थित जनसमूह ने अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। अतिथियों का भव्य माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि शुक्ल ने अटल बिहारी वाजपेयी के पारिवारिक जीवन, शिक्षा, राजनीतिक संघर्ष और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अटल जी की ओजस्वी वाणी, प्रेरक कविताओं और सर्वसमावेशी राजनीति को आज के दौर में प्रासंगिक बताया। पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने बांग्लादेश में दलित हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर चिंता जताते हुए हिंदू समाज को एकजुट रहने का आह्वान किया।इस अवसर पर श्याम पाठक, आकाश पाठक, वीरेंद्र राव, राजेंद्र त्रिपाठी, मधुसूदन अग्रहरी डॉ. दशरथ चौधरी, धर्मराज वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि, नीरजमणि त्रिपाठी, मौलेश्वरनाथ त्रिपाठी सहित कई वक्ताओं ने अटल जी के जीवन मूल्यों और राष्ट्रहित में उनके योगदान को स्मरण किया।

भिवंडी में गांजा व अवैध पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार, चुनावी आचारसंहिता के दौरान बड़ी कार्रवाई

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आगामी चुनावों की पृष्ठभूमि में राज्य में लागू आदर्श आचारसंहिता के तहत कानून-व्यवस्था बनाए रखने और निष्पक्ष, निर्भय चुनाव संपन्न कराने के उद्देश्य से ठाणे पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अवैध हथियार रखने और नशे के अवैध कारोबार में लिप्त तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में भिवंडी क्राइम ब्रांच यूनिट-2 ने बड़ी सफलता हासिल की है। क्राइम ब्रांच यूनिट-2 भिवंडी को 24 दिसंबर 2025 को गुप्त सूचना मिली कि आरीफ सिद्दीकी नामक युवक गांजा बेचने के लिए गायत्रीनगर क्षेत्र में आने वाला है। सूचना के आधार पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे के नेतृत्व में सहायक पुलिस निरीक्षक मिथुन भोईर, पुलिस उप निरीक्षक रविंद्र बी. पाटील तथा उनकी टीम ने न्यू आज़ाद नगर, फैज़-ए-आम हाईस्कूल के पास सटीक जाल बिछाया। पुलिस ने मौके से आरोपी आरीफ अबरार अहमद सिद्दीकी 19, निवासी शांतिनगर भिवंडी को पंचों की मौजूदगी में हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1 किलो 904 ग्राम गांजा, एक माउज़र पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 20 हजार 600 रुपये बताई गई है। इस मामले में आरोपी के खिलाफ शांतिनगर पुलिस स्टेशन भिवंडी में अपराध क्रमांक 1383/2025 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8(क), 20(बी), 29, शस्त्र अधिनियम की धारा 3 व 25 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 37(1) व 135 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच क्राइम ब्रांच यूनिट-2 के पुलिस उप निरीक्षक रामचंद्र जाधव कर रहे हैं। यह कार्रवाई ठाणे के पुलिस उपायुक्त (अपराध) अमरसिंह जाधव और सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध अन्वेषण-1) शेखर बागड़े के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनावी अवधि में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों और अवैध गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका में अटल बिहारी वाजपेयी जयंती मनाई गई

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका में गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महानगरपालिका मुख्यालय के भूतल पर आयोजित कार्यक्रम में अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।यह कार्यक्रम महाराष्ट्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 18 फरवरी 2025 को जारी परिपत्र के अनुसार तथा भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजेश पवार ने पुष्पहार अर्पित कर अटल बिहारी वाजपेयी को नमन किया।इस अवसर पर चुनाव विभाग प्रमुख अजित महाडीक, भांडारगृह विभाग प्रमुख मुजीम मस्तीम सहित महानगरपालिका के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने अटल बिहारी वाजपेयी के राष्ट्रनिर्माण में दिए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

भिवंडी में अवैध उत्खनन व मिट्टी चोरी, 14.96 लाख रुपये से अधिक का नुकसान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शहर के नारपोली पुलिस स्टेशन की सीमा में अवैध उत्खनन और मिट्टी चोरी का एक गंभीर मामला सामने आया है। इस प्रकरण में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस अवैध गतिविधि से संबंधित कंपनियों को करीब 14 लाख 96 हजार 500 रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता किशोर बंडु पाटील (42), निवासी सुरईगांव, भिवंडी, ने नारपोली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया है कि जनवरी 2025 से 24 दिसंबर 2025 के बीच अज्ञात व्यक्ति अथवा व्यक्तियों ने कंपनी की अनुमति के बिना मोटर डंपर की मदद से अवैध रूप से मिट्टी और मुरूम का उत्खनन कर चोरी की।यह घटना भिवंडी तालुका के अंजुर, सारंग, सुरई, भंडारी और वेले गांव की सीमा में स्थित लोढ़ा डेवलपर्स लिमिटेड, उसकी सहयोगी कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड तथा अजितनाथ हायटेक प्रा. लि. की मालिकी वाली जमीन पर घटित हुई है।शिकायत के अनुसार, अज्ञात चोरों द्वारा लगभग 20,400 ब्रास मिट्टी और मुरूम की चोरी की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 14.96 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। इस अवैध उत्खनन से कंपनियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।नारपोली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक गणेश लक्ष्मी रंगनाथ वडणे कर रहे हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस चोरी में कौन-कौन शामिल है और अवैध रूप से निकाली गई मिट्टी और मुरूम को कहां बेचा गया।पुलिस प्रशासन ने क्षेत्र में अवैध उत्खनन और मिट्टी चोरी के मामलों पर कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

गिरफ्तार करने गए पुलिसकर्मियों की जमकर पिटाई! सिपाही की वर्दी फाड़ी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मेरठ से एक हैरान करने वाला वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक पुलिसकर्मी बिना वर्दी के दिखाई दे रहा है। यह पूरा मामला हैरान कर देगा। जानकारी के अनुसार, पुलिस सलावा गांव के ताल्हा, कादिर और गुलाब को गिरफ्तार करने पहुंची थी। पुलिस ने तीनों को हिरासत में भी ले लिया था। लेकिन जब उन्हें कैदी वाहन में बैठाया जा रहा था, तभी आरोपियों ने हंगामा शुरू कर दिया।

बता दें कि पुलिस को एक पीड़ित ने शिकायत दी थी। जिसके बाद पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पहुंची थी। आरोप है कि गिरफ्तारी के दौरान तीनों ने मिलकर पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की। इस दौरान सिपाही सुनील की वर्दी फाड़ दी गई। बदमाशों ने सरकारी पिस्टल छीनने की कोशिश भी की और पुलिस वाहन में तोड़फोड़ की। मामला बिगड़ता देख सीओ मवाना भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अतिरिक्त पुलिस बल की मदद से घिरे हुए पुलिसकर्मियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायल पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

वहीं, मेरठ के एसएसपी विपिन ताडा ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के साथ बदसलूकी और हमले के मामले में गंभीर धाराएं जोड़ी गई हैं। उन्होंने कहा कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भिवंडी मनपा चुनाव में आम आदमी पार्टी की एंट्री, दिल्ली मॉडल पर विकास का दावा

घरपट्टी हाफ और नलपट्टी माफ , बाकाया पूरा माफ - मसीह़ इकबाल

भिवंडी। भिवंडी शहर के हालात लगातार बद से बदतर होते जा रहे हैं। वर्षों से एक ही पार्टी के महापौर रहने के कारण शहर में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इन हालातों के बीच आम आदमी पार्टी (आप) ने आगामी भिवंडी महानगरपालिका चुनाव पहली बार लड़ने का ऐलान किया है। पार्टी के भिवंडी शहर अध्यक्ष मसीह इकबाल ने कहा कि करीब 500 करोड़ रुपये के वार्षिक बजट के बावजूद शहर का अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है। मसीह इकबाल ने बताया कि आम आदमी पार्टी भिवंडी में दिल्ली मॉडल पर विकास करेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 950 मोहल्ला क्लीनिक संचालित हो रहे हैं, जहां इलाज पूरी तरह निशुल्क है। इसी तर्ज पर भिवंडी के हर वार्ड में मोहल्ला क्लीनिक खोले जाएंगे, जिससे आम नागरिकों को बेहतर और सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। शहर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगभग 5,000 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, ताकि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सके। इसके साथ ही नागरिकों को डोर-टू-डोर सेवाएं देने की योजना है, जिससे महानगरपालिका से जुड़े काम घर बैठे पूरे हो सकें। शिक्षा के क्षेत्र में भी आम आदमी पार्टी ने बड़े बदलाव का दावा किया है। मसीह इकबाल ने कहा कि मनपा स्कूलों की हालत सुधारी जाएगी और भिवंडी में शिक्षा पूरी तरह मुफ्त होगी। उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी द्वारा संचालित स्कूलों का निरीक्षण स्वयं अरविंद केजरीवाल की पत्नी द्वारा किया गया है। करों को लेकर जनता को राहत देने का वादा करते हुए उन्होंने कहा कि घरपट्टी हाफ और नलपट्टी माफ की जाएगी तथा पुराना बकाया पूरी तरह से खत्म किया जाएगा। हाल ही में महाराष्ट्र में हुए नगर निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी को 105 सीटें मिलने का दावा भी किया गया।

उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के भिवंडी आने की संभावना है। फिलहाल मनपा चुनाव के लिए पार्टी को 25 से 27 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस मौके पर पूर्व नगरसेवक मुमताज अंसारी, एडवोकेट विनोद टक्कर हनुमंत जाधव, एडवोकेट डॉ. नूर नदब सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। नागरिकों से संपर्क के लिए 9322224787 नंबर जारी किया गया है।

भिवंडी में नाबालिगों के अपहरण सिलसिला जारी, एक ही दिन तीन नाबालिगों के गायब होने से मचा हड़कंप

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी में नाबालिग बच्चों के गायब होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है।शहर के अलग अलग हिस्सों से एक ही दिन तीन नाबालिगों के लापता होने से हड़कंप मच गया है।जिसमें दो लड़की व एक लड़के का समावेश है।पुलिस द्वारा केस दर्ज करने के बावजूद बच्चों का पता लगाने में असफलता को लेकर अभिभावकों में भय व दहशत का माहौल व्याप्त है।पुलिस के अनुसार भिवंडी के कोनगांव पुलिस स्टेशन की हद में रहने वाली 16 वर्षीय नाबालिग लड़की मंगलवार की शाम बिना घर वालो को कुछ बताए गायब हो गई।परिजनों को आशंका है कि लड़की के अज्ञानता का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसका अपहरण कर लिया है।इसी तरह शांतिनगर पुलिस स्टेशन की हद में रहने वाली 15 वर्षीय लड़की बाथरूम जाने के लिए 20 दिसंबर की शाम 6 बजे घर से बाहर गई थी,जो पुनः घर नहीं लौटी।परिजनों को काफी खोजबीन करने के बावजूद जब लड़की का कुछ पता नहीं चला तो परिवार वालो ने शांतिनगर पुलिस स्टेशन में 24 दिसंबर को अपने लड़की के अपहरण का केस दर्ज कराया है।इसी तरह भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन की हद में रहने वाला 15 वर्षीय 9 माह का नाबालिग लड़का 24 दिसंबर को शाम को 3.30 बजे घर से ट्यूशन जाने के लिए घर से निकला,लेकिन फिर वापिस घर नहीं लौटा।परिजनों के काफी तलाश के बाद जब बच्चे का कुछ सुराग नहीं लगा तो उन्होंने अज्ञात आरोपी द्वारा बच्चे के बालमन का फायदा उठाकर अपहरण का केस दर्ज कराया है।पुलिस ने एक ही दिन तीन नाबालिग बच्चों के अपहरण का केस दर्ज कर उनकी तलाश में सरगर्मी से जुट गई है।लेकिन शहर में बढ़ते बच्चे के गायब होने के सिलसिले ने व पुलिस की उदासीनता से अभिभावकों में भय फैल गया है।हालांकि पुलिस का कहना है कि ज्यादातर बच्चे खुद किसी न किसी कारण से घर से चले जाते है जिनकी तलाश कर उनके परिजनों के हवाले कर दिया जाता है।

भिवंडी में 2.18 लाख की एमडी ड्रग्स जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार, दो पर मामला दर्ज

भिवंडी। शहर के शांतिनगर पुलिस स्टेशन की सीमा में ड्रग्स तस्करी के खिलाफ की गई कार्रवाई में पुलिस ने एमडी ड्रग्स सहित कुल 2 लाख 18 हजार 70 रुपये का मुद्देमाल जब्त किया है। इस कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। इस मामले में शांतिनगर पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8(क), 21(ब), 29 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है।गिरफ्तार आरोपी की पहचान फैजान विस्मील उर्फ फैज (निवासी धामणकर नाका) के रूप में हुई है, जबकि फरार आरोपी वसीम जैनुल आबादी अंसारी (निवासी माधवनगर) बताया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4 ग्राम 16 मिलीग्राम वजन का एमडी ड्रग्स, दो मोबाइल फोन, सिगरेट पैकेट और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। जब्त किए गए कुल मुद्देमाल की कीमत 2 लाख 18 हजार 70 रुपये आंकी गई है।यह कार्रवाई ठाणे शहर पुलिस आयुक्त के आदेशानुसार लागू विशेष मनाई आदेश की अवधि के दौरान की गई। आरोपियों के पास नशीले पदार्थ रखने या बेचने से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए गए, जिसके बाद फैजान को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस अब यह जांच कर रही है कि एमडी ड्रग्स कहां से लाई गई थी और इसकी सप्लाई किन-किन इलाकों में की जानी थी। फरार आरोपी की तलाश जारी है।

अब सैनिक चला सकेंगे इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया ऐप्स, पर 'लाइक-कमेंट' करने पर रहेगी पाबंदी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने सैनिकों और अधिकारियों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। सूत्रों के मुताबिक, अब सेना के जवानों को इंस्टाग्राम इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी गई है, लेकिन इसके साथ कुछ सख्त शर्तें भी जोड़ी गई हैं।

क्या है नया नियम?

नए निर्देशों के अनुसार, सैनिक अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (जैसे इंस्टाग्राम और फेसबुक) का इस्तेमाल केवल जानकारी जुटाने और कंटेंट देखने के लिए कर सकते हैं। सैनिक किसी भी पोस्ट पर लाइक, कमेंट या अपना कंटेंट पोस्ट नहीं कर सकते।

जवानों को सोशल मीडिया पर गुमराह करने वाले या फर्जी पोस्ट को अपने सीनियर अधिकारियों को रिपोर्ट करने की अनुमति होगी।

डिजिटल एक्टिविटी पर बाकी सभी पुराने सुरक्षा नियम और प्रोटोकॉल पहले की तरह ही लागू रहेंगे।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का 'जेन जी' पर नजरिया

हाल ही में 'चाणक्य डिफेंस डायलॉग' में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने स्मार्टफोन की जरूरत पर खुलकर बात की। उन्होंने माना कि आज के दौर में स्मार्टफोन और इंटरनेट एक जरूरत है।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि दूर-दराज के इलाकों में तैनात सैनिक के लिए अपने बच्चों की पढ़ाई, स्कूल फीस या परिवार का हालचाल जानने के लिए फोन जरूरी है।

उन्होंने एक महत्वपूर्ण बात कही कि हम नहीं चाहते कि हमारे सैनिक तुरंत किसी पोस्ट पर रिएक्ट करें। हम चाहते हैं कि वे चीजों को सिर्फ देखें और समझें। वे रिटायर होने के बाद जवाब दे सकते हैं।

पाबंदी से कंट्रोल तक का सफर

भारतीय सेना ने सुरक्षा कारणों और 'हनी ट्रैप' जैसे खतरों से बचने के लिए समय-समय पर नियम सख्त किए हैं। 2020 में, सेना ने फेसबुक और इंस्टाग्राम समेत 89 मोबाइल ऐप्स को डिलीट करने का आदेश दिया था।

अब सेना पूरी तरह बैन लगाने के बजाय 'कंट्रोल्ड इस्तेमाल' की ओर बढ़ रही है। जवान अब लिंक्डइन पर अपना रिज्यूमे अपलोड कर सकते हैं या प्रोफेशनल जानकारी के लिए यूट्यूब और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स देख सकते हैं।

ऑपरेशनल सुरक्षा का महत्व

सेना ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर जानकारी का आधिकारिक स्रोत केवल सेना के हैंडल ही रहेंगे। उदाहरण के तौर पर, 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान जब पड़ोसी देशों के सोशल मीडिया पर अफवाहें उड़ रही थीं, तब भारतीय सेना के आधिकारिक हैंडल ने ही सबसे पहले और सटीक जानकारी साझा की थी।

चित्रदुर्ग में लॉरी से टक्कर के बाद बस में लगी आग, 12 लोगों की मौत, सरकार ने जताया दुख

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। गुरुवार सुबह कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के गोरलाथु गांव के पास एक लॉरी से टक्कर के बाद एक निजी बस में आग लग गई, जिसमें 12 से अधिक लोग जलकर मर गए। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर लॉरी ने बस को टक्कर मार दी, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। इस हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें हिरियूर और चित्रदुर्ग के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हालांकि, अधिकारियों को आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इस बीच, उत्तर पूर्वी रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) बीआर रविकांत गौड़ा और चित्रदुर्ग के पुलिस अधीक्षक (एसपी) रंजीत कुमार बंदारू समेत वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं।

बस में 32 लोग सवार थे और यह बेंगलुरु से शिवमोग्गा जा रही थी। यह बस सी बर्ड नामक एक निजी सेवा कंपनी की थी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, 'चित्रदुर्ग के पास एक लॉरी और बस की भीषण टक्कर में कई यात्रियों के जलकर मर जाने की दुखद खबर सुनकर दिल कांप गया है। क्रिसमस की छुट्टियों में घर जा रहे लोगों की यात्रा का इस तरह दुखद अंत होना बेहद दर्दनाक है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच होनी चाहिए। मैं मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। इस दुर्घटना में अपनों को खोने वाले परिवारों के दुख में मैं उनके साथ हूं।'

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने ट्वीट किया, 'बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही बस और ट्रक के बीच हिरियूर के पास हुए हादसे की खबर से गहरा सदमा लगा है, जिसमें कई लोग जलकर मर गए। मैं मृतकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द स्वस्थ हो जाएं। ईश्वर करे कि ऐसी त्रासदी दोबारा न हो।' शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि हिरियूर ग्रामीण पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में तड़के हुई यह दुर्घटना लॉरी चालक की लापरवाही के कारण हुई। लॉरी डिवाइडर पार करके बस से टकरा गई, जिसके परिणामस्वरूप आग लग गई और 12 से अधिक लोगों की जान चली गई।

पुलिस को संदेह है कि लॉरी चालक को नींद आ गई होगी और जांच जारी है। बंदारू ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'दुर्घटना एनएच-48 पर रात करीब 2 बजे हुई। ट्रक बेंगलुरु जा रहा था जब उसका चालक सो गया और डिवाइडर पार करके एक बस से टकरा गया। बस में तुरंत आग लग गई। ट्रक में भी आग लग गई और उसके चालक की मौके पर ही मौत हो गई।' उन्होंने आगे कहा, 'बस में चालक और कंडक्टर समेत 32 लोग सवार थे। उनमें से 21 को बाहर निकाल लिया गया है। पांच से छह लोग घायल हुए हैं और उनका इलाज चल रहा है। हालांकि, उनकी हालत गंभीर नहीं है।'

आईएलटी20 : कॉक्स-जहांगीर के अर्धशतक दुबई कैपिटल्स ने प्लेऑफ में जगह पक्की की

दुबई **(एजेंसी)**। जॉर्डन कॉक्स (नाबाद 61) और शायन जहांगीर (51) के अर्धशतकों की मदद से दुबई कैपिटल्स ने कम स्कोर वाले मैच में शारजाह वॉरियर्स को हराकर आईएल टी20 प्लेऑफ में जगह बनाई। अब तीन टीमों ने आईएल टी20 नॉकआउट में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि गल्फ जायंट्स, शारजाह वॉरियर्स और अबू धाबी नाइट राइडर्स अब आखिरी जगह के लिए मुकाबला कर रही हैं।

बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने के बाद वॉरियर्स ने पावरप्ले में अच्छी शुरुआत की, उनके सलामी बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स और मोनांक पटेल ने नई गेंद का फायदा उठाते हुए कुछ शुरुआती चौके लगाए। लेकिन बाद वाले 24 रन बनाकर डेविड विली के सीधे थ्रो पर रन-आउट हो गए। धीमी पिच पर कैपिटल्स ने पांचवें ओवर में स्पिन गेंदबाजी शुरू की, और वॉरियर्स के लिए रन बनने बंद हो गए।

हैदर अली ने टॉम एबेल को बोल्ड किया और अगले ओवर में टॉम कोहलर-कैडमोर को स्टंप

आउट किया। उन्होंने लगातार चार ओवर गेंदबाजी की और 4-0-13-2 के आंकड़े के साथ समाप्त किया, लेकिन सिकंदर रजा की गेंद पर कीपर द्वारा कैच छोड़ने के बाद उन्हें तीसरा विकेट भी मिल सकता था। इस सब के बीच, चार्ल्स स्ट्राइक रोटेट करते रहे और फिर मोहम्मद नबी को एक छक्का और एक चौका लगाया जिसमें बाद वाला स्विच-हिट से आया था। लेकिन, वॉरियर्स के लिए चीजें खराब होती गईं।

रजा ने मुस्तफिजुर रहमान को एक आसान कैच दिया जबकि सेट बल्लेबाज चार्ल्स वकार सलामखैल की गेंद पर लॉन्ग-ऑन पर कैच आउट हो गए। उन्होंने उसी ओवर में एथन डिसूज़ा को बोल्ड किया, जबकि जेम्स रीव ने एक गेंद सीधे शॉटर् कवर पर मार दी और विकेट गिरते रहे। हरमीत सिंह और आदिल राशिद ने आखिरी दो ओवरों में चौके और छक्के लगाकर वॉरियर्स का स्कोर 8 विकेट पर 134 रन तक पहुंचाया जिसमें आखिरी तीन ओवरों में 33 रन बने। वॉरियर्स ने तुरंत रजा के जरिए स्पिन गेंदबाजी शुरू की और तीसरे ओवर में हरमीत को गेंद सौंपी, जिन्होंने सेदिकुल्लाह अटल का विकेट लिया। वॉरियर्स के तेज गेंदबाज़ों ने भी धीमी गेंदों का अच्छा इस्तेमाल किया जिससे बल्लेबाजों को रन बनाने में मुश्किल हुई। हरमीत अपने दूसरे ओवर में कॉक्स और जहांगीर का विकेट ले सकते थे, जिसमें कॉक्स ने लगभग एक शॉट शॉर्ट कवर पर मारा था, जबकि अमेरिकी खिलाड़ी का कैच टॉम कोहलर-कैडमोर ने लॉन्ग-ऑफ पर छोड़ दिया।

बॉक्सिंग डे टेस्ट : तेज गेंदबाजों के सहारे मैदान में उतरेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम, इंग्लैंड पर जीतने का दबाव

मेलबर्न **(एजेंसी)**। इस समर यह दूसरी बार और पिछले पांच टेस्ट में तीसरी बार होगा, जब ऑस्ट्रेलिया बिना किसी मुख्य स्पिनर के पूरी तरह ऑल-पेस आक्रमण के साथ किसी टेस्ट मैच में उतरेगी। बॉक्सिंग डे टेस्ट के अंतिम-12 में नाथन लियोन की जगह आए टॉड मर्फी को एक बार फिर जगह नहीं मिली है। हालांकि कार्यवाहक कप्तान स्टीवन स्मिथ ने कहा है कि सिडनी टेस्ट में उनके खेलने का अच्छा मौक़ा रहेगा।

माइकल नीसर, ब्रेंडन डॉजेट और जे रिचडर्सन में से कोई दो अंतिम एकादश का हिस्सा होंगे। अगर रिचडर्सन को मौका मिलता है, तो यह एशेज 2021-22 के बाद उनका पहला टेस्ट होगा। वहीं नीसर के लिए यह उनका पहला रेड-बॉल टेस्ट होगा। अब तक उन्होंने जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, सभी पिंक-बॉल टेस्ट रहे हैं। इस बीच कैमरन ग्रीन को बल्ले से खराब दौर के बीच बल्लेबाजी क्रम में नीचे खिसकाकर नंबर 7 पर भेजा गया है। उस्मान ख्वाजा नंबर 5 पर बल्लेबाजी करेंगे और फॉर्म में चल रहे ऐलेक्स कैरी नंबर 6 पर बने रहेंगे। बल्ले से खराब फॉर्म में चल रहे जॉश इंगलिस और अपनी बारी का इंतजर कर रहे बो वेबस्टर, मर्फी के अलावा अंतिम-12 से बाहर होने वाले अन्य खिलाड़ी हैं।

ऑस्ट्रेलिया (संभावित) : 1 जेक वेदराल्ड, 2 ट्रैविस हेड, 3 मार्नस लाबुशेन, 4 स्टीवन स्मिथ (कप्तान), 5 उस्मान ख्वाज़ा, 6 ऐलेक्स कैरी (विकेटकीपर), 7 कैमरन ग्रीन, 8 माइकल नीसर, 9 मिचेल स्टार्क, 10 ब्रेंडन डॉजेट/जे रिचडर्सन, 11 स्कॉट बोलैंड

इंग्लैंड ने पिछले 24 घंटों के विवाद के बावजूद बेन डकेट का समर्थन किया है। लेकिन ऑली पोप को उनके निराशाजनक प्रदर्शन की कीमत चुकानी पड़ी है और जेकब बेथेल को नंबर 3 पर बल्लेबाजी के लिए बुलाया गया है। जोफ्रा आर्चर साइड स्ट्रेन के कारण पूरे दौरे से बाहर हो गए हैं, जिससे गस एटकिंसन की वापसी हुई है। विशेषज्ञ स्पिनर शोएब बशीर के लिए अब भी कोई जगह नहीं है।

इंग्लैंड : 1 जैक क्रॉली, 2 बेन डकेट, 3 जेकब बेथेल, 4 जो रूट, 5 हैरी ब्रूक, 6 बेन स्टोक्स (कप्तान), 7 जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), 8 विल जैक्स, 9 गस एटकिंसन, 10 ब्राइडन कार्स, 11 जॉश टंग

मेलबर्न के क्यूरेटर मैट पेज ने कहा कि वह पिछले सीजन में भारत के खिलाफ खेले गए उस रोमांचक टेस्ट जैसी पिच तैयार करने की उम्मीद कर रहे हैं, जो पांचवे दिन थोड़ा टूटा था। उस मौके पर पिच पर 7 मिमी घास छोड़ी गई थी, जिससे हर किसी को कुछ-न-कुछ मिला था।

अडानी की शॉपिंग लिस्ट ने चौंकाया 33 डील्स पर खर्च किए 80, 000 करोड़

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जनवरी 2023 से अब तक अडानी ग्रुप ने अपने विभिन्न बिजनेस में करीब 80, 000 करोड़ रुपए (9.6 अरब डॉलर) के 33 अधिग्रहण किए हैं। खास बात यह है कि यह विस्तार ऐसे समय हुआ जब समूह पर गंभीर फ्रॉड के आरोप लगे थे। इन डील्स के जरिए अडानी ग्रुप ने न सिर्फ निवेशकों का भरोसा वापस जीतने की कोशिश की, बल्कि यह संकेत भी दिया कि ग्रुप के पास पूंजी और कैश फ्लो की कोई कमी नहीं है।

सेक्टर के लिहाज से देखें तो पोर्ट बिजनेस सबसे आगे रहा, जहां 28, 145 करोड़ रुपए के अधिग्रहण किए गए। इसके बाद सीमेंट सेक्टर में 24, 710 करोड़, पावर सेक्टर में 12, 251 करोड़, नए और उभरते व्यवसायों में 3, 927 करोड़, जबकि ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर में 2, 544 करोड़ रुपए की डील हुई। हालांकि, कर्ज में डूबे जेपी ग्रुप के 13, 500 करोड़ रुपए के प्रस्तावित अधिग्रहण को इस आंकड़े में शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि यह डील अभी पूरी होनी बाकी है।

2023 की शुरुआत में अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी ग्रुप पर अकाउंटिंग फ्रॉड और शेयरों में हेरफेर के आरोप लगाए थे, जिन्हें समूह ने सिरे से खारिज किया। इसके बाद ग्रुप ने कर्ज घटाने, इक्विटी निवेश बढ़ाने और पूंजी आवंटन को सख्त करने पर फोकस किया। पोर्ट, सीमेंट और पावर जैसे कोर बिजनेस में लगातार अधिग्रहण कर ग्रुप ने अपने कैश फ्लो और ऑपरेशनल मजबूती को बनाए रखा।

पिछले तीन वर्षों में हुए सौदों में सबसे बड़ा सौदा अप्रैल 2025 में अडानी पोर्ट्स द्वारा ऑस्ट्रेलिया के नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल का 21, 700 करोड़ रुपये में अधिग्रहण रहा। वहीं, सीमेंट सेक्टर में अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी के जरिए कई बड़े अधिग्रहण किए गए, जिनमें पेन्ना सीमेंट (10, 422 करोड़) और ओरिएंट सीमेंट (8, 100 करोड़) प्रमुख हैं।

पोर्ट सेक्टर में कराईकल पोर्ट, गोपालपुर पोर्ट और एस्ट्रो ऑफशोर के साथ-साथ तंजानिया के दार-एस-सलाम पोर्ट का विदेशी अधिग्रहण भी शामिल है। पावर सेक्टर में लैंको अमरकंटक, विदर्भ इंडस्ट्रीज और कोस्टल एनर्जेन जैसी कंपनियों को खरीदा गया।

पीवी सिंधु चुनी गईं बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट और पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु को बुधवार को 2026-2029 कार्यकाल के लिए बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन चुना गया। इस भूमिका में अब पीवी सिंधु बैडमिंटन वल्डर् फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) काउंसिल मेंबर के तौर पर काम करेंगी जिससे खिलाड़ियों को इस संस्था के ग्लोबल गवर्नेंस में सीधी आवाज मिलेगी।

नीदरलैंड की डेबोरा जिल, जो यूरोपियन गेम्स की सिल्वर मेडलिस्ट हैं, भारतीय बैडमिंटन स्टार की डिप्टी होंगी। सिंधु ने कहा, 'साथी एथलीटों द्वारा यह ज़िम्मेदारी सौंपना मेरे लिए सम्मान की बात है, जिसे मैं विनम्रता और कृतज्ञता के साथ स्वीकार करती हूं। मैं पिछले कार्यकाल में किए गए असाधारण काम के लिए ग्रेसिया पोली को भी दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं।'

उन्होंने कहा, 'हमारे खूबसूरत खेल को खेलने वाले हर किसी के लिए आवाज बनने का यह एक शानदार मौका है। मैं हर खिलाड़ी का प्रतिनिधित्व करने और सार्थक, स्थायी बदलाव के लिए लड़ने के लिए बीडब्ल्यूएफ मीडिया के साथ मिलकर काम करने के लिए बहुत उत्सुक हूं।'

इस साल की तुलना में पिछली बार ज्यादा दबाव था, एसए 20 से पहले बोले राशिद खान

केप टाउन **(एजेंसी)**। एमआई केप टाउन के कप्तान राशिद खान ने कहा कि पिछले सीजन में ट्रॉफी जीतने के बाद शुक्रवार से शुरू होने वाले एसए 20 सीजन में उनकी टीम पर कम दबाव है। डिफेंडिंग चैंपियन शुक्रवार को न्यूलैंड्स में एक नई टीम डरबन सुपर जायंट्स के खिलाफ अपने टाइटल को बचाने के लिए मैदान में उतरेगी। राशिद के अलावा, टीम में प्रोटियाज के स्टार खिलाड़ी कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश के साथ ट्रेंट बोल्ट और नए खिलाड़ी निकोलस पूरन भी हैं।

राशिद ने कहा, 'पिछले साल इस साल की तुलना में ज्यादा दबाव था, आप जानते हैं कि हम लगातार दो बार सबसे नीचे आए थे और वहां से ऊपर आकर ट्रॉफी जीतना हमारे लिए एक टीम के तौर पर बहुत बड़ी बात थी। मुझे लगता है कि हमने जो सही किया वह यह था कि हमने एक टीम के तौर पर मिलकर खेला और खेल के कुछ खास मौकों पर जिम्मेदारी ली। हर खिलाड़ी अनुभवी है, और वे खुद को हालात और टीम की स्थिति के हिसाब से बहुत जल्दी ढाल लेंगे। हर कोई बहुत प्रोफेशनल है, उन्होंने दुनिया भर में बहुत क्रिकेट खेला है और मुझे लगता है कि उनके लिए माहौल में ढलना ज़्यादा मुश्किल नहीं होगा।'

उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि पूरन अपनी नई टीम के लिए शानदार प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, 'वह (पूरन) खेल में बहुत ज्यादा एनर्जी लाएंगे। हम जानते हैं कि वह कितने खतरनाक और कितने अच्छे क्रिकेटर हैं। वह ऐसे इंसान हैं जो आते ही बहुत सारे छक्के लगाते हैं, आप देखेंगे। वह एनर्जी और मनोरंजन से भरपूर इंसान हैं और मुझे यकीन है कि उन्हें यहां अपना समय बहुत पसंद आएगा।'

इस साल 24 बड़े शहरों में औद्योगिक लॉजिस्टिक क्षेत्रों की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश में इस साल औद्योगिक और लॉजिस्टिक क्षेत्रों की मांग अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई, जिसमें 24 बड़े शहरों में कुल 7.65 करोड़ वर्ग फुट की जगह को पट्टे पर लिया गया। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी सेविल्स ने यह जानकारी दी। सेविल्स इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, इन जगहों में 29 प्रतिशत स्थान निर्माण क्षेत्र ने पट्टे पर लिया, 28 प्रतिशत जगह तृतीय पक्ष की लॉजिस्टिक कंपनियों ने और 12 प्रतिशत ई-कॉमर्स कंपनियों ने ली।

सेविल्स इंडिया ने बताया, 'भारत का औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र महामारी के बाद भी तेजी से बढ़ रहा है और इस साल इसका वार्षिक पट्टा लेने का स्तर 7.65 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे उच्च स्तर है।' पिछले साल 2024 में औद्योगिक और लॉजिस्टिक क्षेत्रों की पट्टेदारी 6.45 करोड़ वर्ग फुट थी। इस साल कुल पट्टेदारी में अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, दिल्ली-एनसीआर और पुणे ने 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इन शहरों में इस साल 5.95 करोड़ वर्ग फुट जगह पट्टे पर ली गई, जबकि 2024 में यह 4.97 करोड़ वर्ग फुट थी। दिल्ली-एनसीआर सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र रहा, जहां इस साल 1.3 करोड़ वर्ग फुट जगह पट्टे पर ली गई, जबकि 2024 में यह 98 लाख वर्ग फुट थी।

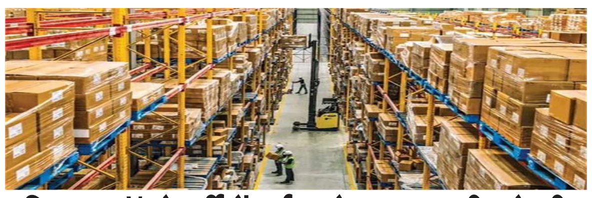

भारत की नजरें श्रीलंका के खिलाफ तीसरा टी20 और श्रृंखला जीतने पर

तिरूवनंतपुरम **(एजेंसी)**। आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम अपनी लय को कायम रखते हुए खराब फॉर्म से जूझ रही श्रीलंकाई टीम के खिलाफ शुक्रवार को तीसरा टी20 मैच और पांच मैचों की श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगी। भारत ने विशाखापत्तनम में पहले दो टी20 मैचों में क्रमशः आठ और सात विकेट से जीत दर्ज की है। भारत की यह पिछले 11 टी20 मैचों में नौवीं जीत थी। श्रीलंका ने आखिरी बार भारत को जुलाई 2024 में दाम्बुला में हराया था। मेजबान टीम के पास शानदार बल्लेबाजी क्रम है और पिछले दोनों मैचों में अलग अलग खिलाड़ियों ने जीत दिलाई है। पहले मैच में जहां जेमिमा रौड्रिग्स चली तो दूसरे में शेफाली वर्मा जीत की सूत्रधार रहीं। भारत की गेंदबाजी ईकाई भी उतनी ही दमदार है और स्पिनरों ने पहले मैच में श्रीलंका को छह विकेट पर 121 और दूसरे में नौ विकेट पर 128 रन पर रोक दिया। युवा एन श्रीचरणी, वैष्णवी शर्मा और क्रांति गौड़ ने अनुशासित, नियंत्रित और प्रभावी गेंदबाजी की है।

हरफनमौला दीप्ति शर्मा बुखार के कारण दूसरा टी20 नहीं खेल पाई लेकिन उनकी जगह आई स्नेह राणा ने चार ओवर में 11 रन देकर एक विकेट लिया। भारतीय टीम को हालांकि क्षेत्ररक्षण पर काम करना होगा चूंकि पहले मैच में पांच कैच छूटे थे हालांकि दूसरे मैच में तीन रन आउट किए। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम यहां अगले तीन मैचों में प्रदर्शन में सुधार करना चाहेगी।

दूसरी ओर श्रीलंका को उम्मीद है कि जगह बदलने से उसकी किस्मत भी बदलेगी हालांकि दोनों टीमों के प्रदर्शन में जमीन आसमान का अंतर है। श्रीलंका को दोनों मैचों में उसके बल्लेबाजों ने निराश किया। पहले मैच में विष्मी गुणरत्ने ने 43 गेंद में 39 रन बनाये जबकि हसिनी परेरा और हर्षिता समरविक्रमा आक्रामक पारियां नहीं खेल सके। दूसरे मैच में चामरी अटापट्टू के आउट होने के बाद श्रीलंका ने 26 रन के भीतर छह विकेट गंवा दिए।

टीमें :

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा। श्रीलंका : चामरी अटापट्टू (कप्तान), हसिनी परेरा, विष्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा।

समय : शाम 7 बजे।

सिग्नेचर ग्लोबल गुरुग्राम में नई आवासीय परियोजना में 4, 800 करोड़ रुपए का करेगी निवेश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल मजबूत उपभोक्ता मांग के मद्देनजर कारोबार विस्तार की रणनीति के तहत गुरुग्राम में एक लक्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए 4, 800 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। रियल एस्टेट कंपनी ने हाल ही में 13.56 एकड़ में फैली एक नई परियोजना 'सर्वम एट डीएक्सपी एस्टेट' का शुभारंभ किया है। गुरुग्राम के सेक्टर 37डी में द्वारका एक्सप्रेसवे पर स्थित इस परियोजना में 1, 798 अपार्टमेंट होंगे। पहले चरण में कंपनी कुल इकाइयों में से 50 प्रतिशत को तीन से चार रुपए प्रति इकाई की कीमत में बिक्री के लिए पेश कर रही है।

सिग्नेचर ग्लोबल के संस्थापक एवं चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने कहा, "इस परियोजना के विकास में कुल निवेश करीब 4, 800 करोड़ रुपए होने का अनुमान है।" कंपनी इस निवेश की मुख्य राशि आंतरिक स्रोतों से जुटाएगी, जिसमें ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम राशि भी शामिल है। निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होगा और परियोजना के 2032 तक पूरा होने की उम्मीद है।

हिजाब कॉन्ट्रोवर्सी में हुई एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे की एंट्री, नीतीश कुमार पर की कार्रवाई करने की मांग

बिहार की राजनीति और सामाजिक गलियारों में इन दिनों एक वीडियो ने भूचाल ला दिया है, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक महिला डॉक्टर के हिजाब को हटाते नजर आ रहे हैं। 15 दिसंबर को आयोजित आयुष डॉक्टरों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह की यह घटना अब एक राष्ट्रीय विवाद का रूप ले चुकी है। इस संवेदनशील मुद्दे पर अब एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की हस्तियों ने भी अपनी चुप्पी तोड़ी है। भोजपुरी सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे और मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने इस मामले पर कड़ा रुख अपनाया है। इससे पहले राखी सावंत ने और सना खान ने भी इसपर अपना रिएक्शन दिया था और नीतीश कुमार को जमकर सुनाया था। इस वीडियो के आने के बाद नीतीश कुमार बहुत ज्यादा ट्रोल हुए थे।

भोजपुरी जगत की 'क्वीन' कही जाने वाली आम्रपाली दुबे अक्सर सामाजिक मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखती हैं। इस विवाद पर रिएक्शन देते हुए उन्होंने पर्सनल फ्रीडम और सम्मान की बात कही है। आम्रपाली ने कहा– 'मेरा स्पष्ट मानना है कि पहनावा हर व्यक्ति की निजी पसंद का विषय है। किसी को भी यह अधिकार नहीं है कि वह दूसरों की पसंद में दखल दे। अगर इस घटना से किसी की भावनाओं को चोट पहुंची है, तो इसकी जांच होनी चाहिए और उचित कार्रवाई की आवश्यकता है। हमें हर हाल में दूसरों की धार्मिक और व्यक्तिगत भावनाओं का आदर करना चाहिए।' इसके पहले जावेद अख्तर ने भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जमकर सुनाया था।

जिस गाने ने दिव्या भारती को बनाया सुपरस्टार उसी गाने के रीक्रिएट वर्जन से ट्रोल हो रहीं हैं अनन्या

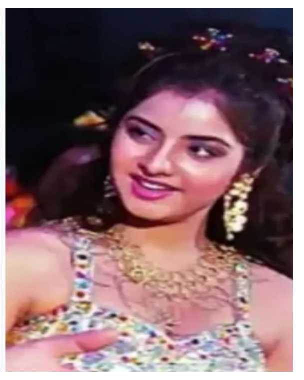

मुंबई। बॉलीवुड में इन दिनों पुरानी क्लासिक फिल्मों के गानों को रीक्रिएट करने का चलन जोरों पर है, लेकिन हर बार यह एक्सपेरिमेंट सक्सेस नहीं होता है। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' के भी कुछ ऐसे ही किस्से हैं। फिल्म की रिलीज से ठीक पहले इसके नए गाने 'सात समंदर पार 2|0' को आउट किया गया है, लेकिन उम्मीद के उलट इस गाने को सोशल मीडिया पर जबरदस्त विरोध और ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इस गाने के बाद दिव्या भारती और कार्तिक आर्यन जमकर ट्रोल हो रहें हैं। सोशल मीडिया पर जमकर लोग इस गाने के बारे में बोल रहें हैं।

90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस दिव्या भारती और सनी देओल की फिल्म 'विश्वात्मा' का गाना 'सात समंदर पार' आज भी पार्टियों और शादियों की जान माना जाता है। इस गाने से दिव्या भारती सुपरस्टार बन गईं थीं। साउथ में तो उनका जलवा था ही लेकिन बॉलीवुड में इस गाने ने उन्हें स्टारडम दिखाया। लेकिन नई फिल्म में इस जोशीले डांस नंबर को 'स्लो और लूफी' वर्जन में पेश किया गया है। करण नानवानी द्वारा गाए और कंपोज किए गए इस नए वर्जन में ओरिजिनल गाने के बोल में भी थोड़े बदलाव किए गए हैं। सॉन्ग लवर्स का कहना है कि जिस गाने पर लोग झूमते थे, उसे 'सैड सॉन्ग' जैसा बनाकर बर्बाद कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर इस गाने के सैड वर्जन से लोग बहुत नाराज हैं। वहीं इस गाने के कई मीम भी वायरल हो रहे हैं। इस फिल्म में मेकर्स ने कार्तिक और अनन्या की रोमांटिक केमिस्ट्री को दिखाने की कोशिश की है, लेकिन गाने के धीमे म्यूजिक ने रोमांस के बजाय लोगों को सिरदर्द दे दिया है।

पश्चिम रेलवे

टीआरडी कार्य

सीनियर डिविजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (सब), वेस्टर्न रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400 008, ई-टेंडर नोटिस नंबर: WR-MMCTOESUB (ESOT)/26/2025 आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नामः** प्रभादेवी में नए रोड ओवर ब्रिज के निर्माण के संबंध में TRD कार्य। **कार्य की अनुमानित लागतः** 96,50,183/- रुपये। **बिड सिक्योरिटीः** 1,93,000/- रुपये। **बंद होने की तारीख और समयः** 19.01.2026 को 15:00 बजे से पहले निर्धारित तरीके से। **खोलने की तारीख और समयः** 19.01.2026 को 15:30 बजे। वेबसाइट का विवरणः टेंडर www.ireps.gov.in वेबसाइट के माध्यम से देखा और जमा किया जा सकता है। 0930

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

शुद्धिपत्र सूचना

टेंडर संख्याः BCT/25-26/282 दिनांक 15.12.2025 DOP 09.01.2025 के संबंध में अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट में शुद्धिपत्र इस प्रकार हैः - मौजूदा अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट 22,12,200/-। अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट को 2,21,200/- पढ़ा जाए। बाकी सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। 0947

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

मुंबई डिवीजन में 'सभी वाहनों के लिए पे एंड पार्क' का संचालन

मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, पार्किंग अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008.

नीलामी कैटलॉग संख्याः BCT-PKG-2526-45	ईएमडी-वार्षिक बोली मूल्य का 10%
ई-नीलामी की तारीखः 02-01-2026	ई-नीलामी का समय - 12:00 बजे

अ.क्र.	स्टेशन	स्थान	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	अवधि
1	दादर	पोडियम	967.41	03 Years
2	मढ़ी	नई बिल्डिंग के पास	757.87	03 Years
3	खंडबारा	दक्षिण पूर्व	400	03 Years
4	नवापुर	दक्षिण पश्चिम	479	03 Years
5	चिंचपाड़ा	दक्षिण पश्चिम	192	03 Years
6	बोईसर	पश्चिम	2035.78	03 Years

नोटः ज़्यादा जानकारी के लिए, इच्छुक बोली लगाने वालों से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल देखें। साइट्स के बारे में जानकारी ऊपर बताए गए कैटलॉग में लॉट डिटेल्स में उपलब्ध है। 0928

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

कंधमाल में सुरक्षाबलों का बड़ा एक्शन, टॉप कमांडर गणेश उइके समेत 5 माओवादी ढेर

भुवनेश्वर **(एजेंसी)**। ओडिशा के कंधमाल जिले में चलाए गए एक बड़े माओवादी विरोधी अभियान में दो दिवसीय तलाशी अभियान के दौरान पांच माओवादी मारे गए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी है। बुधवार को बेलघर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गुम्मा वन क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में दो माओवादी शहीद हो गए। गुरुवार को चाकापद पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नारिग झोला वन क्षेत्र में हुई एक अन्य मुठभेड़ में तीन और माओवादी मारे गए। विशेष खुफिया शाखा (एसआईडब्ल्यू) से मिली विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर, सुरक्षा बलों ने कंधमाल के चाकापद पुलिस थाना क्षेत्र और राम्भा वन क्षेत्र में गंजाम जिले के आसपास के इलाकों में 23 टीमों, 20 विशेष अभियान समूह (एसओजी) टीमों, दो सीआरपीएफ टीमों और एक बीएसएफ टीम के साथ एक संयुक्त अभियान चलाया। 25 दिसंबर, 2025 की सुबह एसओजी टीमों की मौजूदगी में कई स्थानों पर गोलीबारी की कई घटनाएं हुईं।

तलाशी अभियान के बाद, सुरक्षा बलों ने वर्दीधारी चार माओवादी शव (दो पुरुष और दो महिलाएं) बरामद किए, साथ ही दो आईएनएसएएस राइफलें और एक .303 राइफल भी बरामद की। मारे गए माओवादियों में से एक की पहचान गणेश उइके के रूप में हुई है, जो केंद्रीय समिति के सदस्य और ओडिशा में माओवादी गतिविधियों के प्रमुख थे। अन्य तीन की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। अधिकारियों ने बताया कि आगे तलाशी अभियान जारी है और अब माना जा रहा है कि देवूजी ही इस क्षेत्र में सक्रिय एकमात्र प्रमुख माओवादी नेता बचे हैं।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाईबी खुराना की उपस्थिति में एक औपचारिक समारोह के दौरान आत्मसमर्पण हुआ। आत्मसमर्पण करने वाले जवानों ने एके-47 राइफलों और सेल्फ-लोडिंग राइफलों (एसएलआर) सहित हथियारों का जखीरा जमा कराया और ओडिशा पुलिस नक्सल आत्मसमर्पण के बैनर तले उन्हें पारंपरिक शॉल पहनाकर सम्मानित किया गया। ओडिशा के डीजीपी योगेश बहादुर खुराना ने कहा कि आज 22 नक्सलियों ने अपने हथियारों के साथ पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण किए गए हथियारों में एके सीरीज राइफलें और इंसास राइफलें शामिल हैं। मुझे उम्मीद है कि अन्य नक्सली भी आत्मसमर्पण करेंगे और मुख्यधारा में शामिल होंगे। मैं सभी नक्सलियों से हिंसा छोड़ने की अपील करता हूं, क्योंकि सरकार ने उनके पुनर्वास के लिए सभी व्यवस्थाएं कर दी हैं।

सुशासन दिवस पर अटल जी को शीर्ष नेतृत्व का नमन, राष्ट्रपति-पीएम ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली स्थित 'सदैव अटल' स्मारक पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित भाजपा के कई नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक पोस्ट में अटल बिहारी वाजपेयी को एक ऐसे राजनेता के रूप में वर्णित किया, जिनका आचरण, गरिमा और राष्ट्रहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता भारतीय राजनीति के लिए एक मिसाल कायम करती है।

एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल जी का जीवन राष्ट्र को प्रेरित करता रहेगा और उन्होंने कहा कि नेतृत्व पद से नहीं, बल्कि आचरण से परिभाषित होता है। संस्कृत के एक सुभाषित का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि महान नेताओं के कर्म समाज का मार्गदर्शन करते हैं, और उन्होंने कहा कि यह पहलू वाजपेयी के सार्वजनिक जीवन में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा कि आदरणीय अटल जी की जयंती हम सभी के लिए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का एक विशेष अवसर है। उनका आचरण, गरिमा, वैचारिक दृढ़ता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प भारतीय राजनीति के लिए एक आदर्श मानक है। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह सिद्ध किया कि उत्कृष्टता पद से नहीं, बल्कि आचरण से स्थापित होती है, और यही समाज का मार्गदर्शन करता है। अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर, 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ था और वे तीन बार देश के प्रधानमंत्री चुने गए।

वाजपेयी दशकों तक भाजपा का चेहरा रहे और वे पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे जिन्होंने पूर्ण कार्यकाल पूरा किया। वाजपेयी ने 16 मई, 1996 से 1 जून, 1996 तक और फिर 19 मार्च, 1998 से 22 मई, 2004 तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने 1977 से 1979 तक प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के मंत्रिमंडल में भारत के विदेश मंत्री के रूप में भी कार्य किया। उनका निधन 16 अगस्त, 2018 को दिल्ली के एम्स अस्पताल में हुआ।

शशि थरूर का बड़ा बयान : अवैध घुसपैठ सरकार की विफलता, सीमा पर हो कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारत की सीमाओं के प्रभावी प्रबंधन के लिए सरकार की जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि अवैध अप्रवासियों की मौजूदगी व्यवस्थागत विफलताओं को दर्शाती है, जिन्हें सख्ती और कानूनी रूप से दूर करने की आवश्यकता है। बुधवार को एएनआई से बात करते हुए थरूर ने कहा कि अगर लोग अवैध रूप से देश में प्रवेश कर रहे हैं या वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी रुक रहे हैं, तो यह सीमा प्रबंधन और आव्रजन नियंत्रण में खामियों की ओर इशारा करता है।

थरूर ने पूछा कि अगर अवैध अप्रवासी हमारे देश में आ रहे हैं, तो क्या यह हमारी विफलता नहीं है? क्या हमें अपनी सीमाओं को बेहतर ढंग से नियंत्रित नहीं करना चाहिए?' उन्होंने आगे कहा कि सरकार को ऐसे उल्लंघनों के खिलाफ कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि वास्तव में, अगर कोई भी इस देश में अवैध रूप से है या वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी रुका हुआ है, तो सरकार को उन्हें निर्वासित करने का अधिकार है। इसलिए सरकार को इस मामले में अपना काम करने दें।

कानून के शासन का पालन करने पर जोर देते हुए, थरूर ने संतुलित और मानवीय दृष्टिकोण की आवश्यकता को भी दोहराया, विशेष रूप से राजनीतिक और मानवीय पहलुओं से जुड़े संवेदनशील सीमा पार मामलों में। इसके अलावा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश में रहने की अनुमति देने के भारत के फैसले का बचाव करते हुए इसे मानवीय मूल्यों पर आधारित कदम बताया। थरूर ने कहा कि भारत ने उन्हें वापस न भेजने का निर्णय लेकर 'सही मानवीय भावना' का परिचय दिया है, और भारत के साथ उनके लंबे समय से चले आ रहे संबंधों और वर्षों से देश की एक विश्वसनीय मित्र के रूप में उनकी भूमिका का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि निर्वासन या प्रत्यर्पण से संबंधित मामले संधियों और अपवादों सहित जटिल कानूनी ढांचों द्वारा नियंत्रित होते हैं, जिनकी सावधानीपूर्वक समीक्षा आवश्यक है। थरूर ने कहा, 'बहुत कम लोग कानूनी मुद्दों, संधि दायित्वों और उनमें निहित अपवादों को पूरी तरह समझते हैं, ' और कहा कि ऐसे निर्णय सरकार के विवेक पर छोड़ दिए जाने चाहिए।

अंधेरी पश्चिम इलाके में आवासीय इमारत में आग, 40 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

मुम्बई **(एजेंसी)**। राज्य के अंधेरी पश्चिम इलाके में स्थित 23 मंजिला आवासीय इमारत में बृहस्पतिवार सुबह आग लगने के बाद लगभग 40 लोगों को वहां से सुरक्षित निकाला गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि आग लगने की घटना वीरा देसाई रोड पर कंट्री क्लब के पास सोरेंटो टॉवर में सुबह करीब 10 बजे हुई, हालांकि इसमें कोई घायल नहीं हुआ। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि 16वीं मंजिल से सीढ़ियों के माध्यम से 30-40 लोगों को नीचे उतारा गया, जबकि एक महिला सहित तीन अन्य लोगों को 15वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

उन्होंने बताया कि आग से 10वीं से 21वीं मंजिल के बीच स्थित विद्युत शाफ्ट में तार और अन्य उपकरण प्रभावित हुए, साथ ही विभिन्न मंजिलों पर 'डक्ट' के पास स्थित राउटर, जूतों की अल्मारियां और लकड़ी के फर्नीचर प्रभावित हुए। अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग ने कम से कम चार दमकल वाहन और अन्य साजो सामान की मदद से सुबह 11:37 बजे आग पर काबू पा लिया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

कुलदीप सेंगर की जमानत पर बवाल : सुप्रिया श्रीनेत बोलीं- यह सभ्य समाज के मुंह पर तमाचा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में आरोपी कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित करने और उसे जमानत देने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले की कड़ी आलोचना की है। बुधवार को इस मुद्दे पर बोलते हुए श्रीनाते ने कहा, 'हत्या और सामूहिक बलात्कार का दोषी पाया गया व्यक्ति, जो आजीवन कारावास की सजा काट रहा था, उसे छह साल में रिहा कर दिया गया। उसे छह साल में जमानत मिल गई। यह किस तरह का न्याय है? क्या इस देश में बेटियों को न्याय मिलेगा?'

सुप्रिया श्रीनेत ने आगे कहा, 'जब वह बेटी और उसकी मां इंडिया गेट पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रही थीं, तब दिल्ली पुलिस ने जिस क्रूरता से उन्हें घसीटा, जिस अमानवीयता से उनके साथ व्यवहार किया। यह एक सभ्य समाज के मुंह पर तमाचा है। मैं अदालत से अपील करती हूं कि वह इस मामले का स्वतः संज्ञान ले और इस फैसले को पलट दे।' उन्होंने कहा कि एक महिला के रूप में, एक मां के रूप में, मैं अपील करती हूं कि अदालत को इस मामले पर पुनर्विचार करना चाहिए। इस बीच, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने घोषणा की है कि वह दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देगी। दिल्ली उच्च न्यायालय की खंडपीठ द्वारा पारित आदेश की जांच करने के बाद, एजेंसी ने जल्द से जल्द विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर करने का निर्णय लिया है। एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा:सीबीआई ने कुलदीप सिंह सेंगर की सजा के निलंबन और जमानत दिए जाने को चुनौती देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर करने का निर्णय लिया है।

आरोपी ने जमानत याचिका के साथ अपील भी दायर की थी, जिसका सीबीआई और पीड़ित परिवार दोनों ने कड़ा विरोध किया था। सीबीआई ने याचिका का विरोध करते हुए विस्तृत लिखित दलीलें प्रस्तुत की थीं।

पेंटागन की चेतावनी, लद्दाख के बाद अब अरुणाचल बनेगा भारत-चीन विवाद का नया केंद्र

बीजिंग **(एजेंसी)**। पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर सेनाओं की वापसी के बाद भले ही सीमा पर शांति की उम्मीद जगी हो, लेकिन अमेरिकी रक्षा विभाग की एक ताजा रिपोर्ट ने भविष्य के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने अरुणाचल प्रदेश को ताइवान की तरह ही अपने 'मुख्य हितों' में शामिल कर लिया है।

अमेरिकी कांग्रेस को सौंपी गई इस रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि चीन 2049 तक 'महान पुनरुत्थान' के अपने लक्ष्य को हासिल करना चाहता है। इसके तहत, चीन अरुणाचल प्रदेश, ताइवान और दक्षिण चीन सागर पर अपना पूर्ण दावा ठोक रहा है।

बीजिंग का लक्ष्य 2049 तक एक ऐसी 'विश्व स्तरीय सेना' तैयार करना है जो वैश्विक स्तर पर किसी भी युद्ध को 'लड़ने और जीतने' में सक्षम हो।

चीन अरुणाचल प्रदेश को 'दक्षिण तिब्बत' कहता है। वह 1914 में अंग्रेजों द्वारा खींची गई मैकमोहन रेखा को स्वीकार नहीं करता। चीन की नजर विशेष रूप से तवांग पर है। पहले उसका दावा सिर्फ तवांग तक सीमित था, लेकिन अब उसने पूरे अरुणाचल प्रदेश को विवादित क्षेत्र घोषित कर दिया है।

भारत पर दबाव बनाने के लिए चीन समय-समय पर अरुणाचल के विभिन्न स्थानों के लिए 'चीनी नामों' की फर्जी लिस्ट जारी करता रहता है।

हाल की कुछ घटनाओं ने इस तनाव को और हवा दी है। पिछले महीने, लंदन से जापान जा रही अरुणाचल की रहने वाली प्रेमा थोंगडोक को शंघाई एयरपोर्ट पर 18 घंटे हिरासत में रखा गया। चीनी अधिकारियों का दावा था कि उनके पासपोर्ट पर जन्मस्थान 'अरुणाचल' होना उसे 'अमान्य' बनाता है।

हाल ही में एक यूट्यूबर को चीन में सिर्फ इसलिए हिरासत में लिया गया क्योंकि उसने अपने वीडियो में अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग बताया था।

पूर्व राजनयिक महेश सचदेव के अनुसार, यह पहली बार है जब अमेरिका ने लद्दाख के बजाय अरुणाचल प्रदेश पर चीन की चालों पर खुलकर बात की है। यह दर्शाता है कि अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चीन की विस्तारवादी नीति को गंभीरता से लिया जा रहा है।

बांग्लादेश में बड़ा राजनीतिक भूचाल!

शेख हसीना की अवामी लीग पर लगा प्रतिबंध, अंतरिम सरकार का बड़ा ऐलान

ढाका **(एजेंसी)**। देश में व्याप्त राजनीतिक उथल-पुथल और राजनीतिक परिदृश्य में आए बड़े बदलाव के बीच, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने पुष्टि की है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग, अपनी गतिविधियों पर लगे प्रतिबंध के कारण फरवरी 2026 में होने वाले राष्ट्रीय संसदीय चुनावों में भाग नहीं लेगी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने घोषणा की कि अवामी लीग, जिसकी राजनीतिक गतिविधियां वर्तमान में देश में प्रतिबंधित हैं, आगामी राष्ट्रीय चुनावों में भाग नहीं ले पाएगी। बुधवार को अंतरिम सरकार की सलाहकार परिषद की बैठक के बाद आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, आलम ने एक पत्रकार के उस प्रश्न के उत्तर में यह टिप्पणी की, जिसमें कथित तौर पर अमेरिकी सांसदों द्वारा मुख्य सलाहकार को अवामी लीग पर लगे प्रतिबंध पर चिंता व्यक्त करते हुए भेजे गए पत्र का जिक्र था। उन्होंने कहा कि उन्होंने पत्र नहीं देखा है और उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अवामी लीग के संबंध में सरकार का रुख स्पष्ट है। सचिव ने कहा, 'चूंकि अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और चुनाव आयोग ने पार्टी का पंजीकरण रद्द कर दिया है, इसलिए अवामी लीग इस चुनाव में भाग नहीं ले पाएगी।' पार्टी का पंजीकरण निलंबित कर दिया गया है और इसके नेताओं पर अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में मुकदमा चल रहा है। इससे पहले मई में, अंतरिम सरकार ने बांग्लादेश अवामी लीग और इसके संबद्ध, सहयोगी और भाईचारे वाले संगठनों की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने वाली राजपत्र अधिसूचना जारी की थी। यह निर्णय अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में मुकदमों के पूरा होने तक लागू रहने की बात कही गई थी। उस समय, राजपत्र गृह मंत्रालय के लोक सुरक्षा विभाग द्वारा जारी किया गया था। अधिसूचना में कहा गया था कि यह कार्रवाई आतंकवाद विरोधी (संशोधन) अध्यादेश के तहत की गई है। पिछले साल जुलाई में छात्रों के नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद शेख हसीना की सरकार को सत्ता से हटाए जाने के लगभग एक साल बाद बांग्लादेश में राष्ट्रीय चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा है कि उनकी पार्टी के बिना चुनाव, चुनाव नहीं बल्कि राज्याभिषेक होगा।

17 साल के निर्वासन के बाद बांग्लादेश लौटे तारिक रहमान, ढाका में विशाल जनसभा को किया संबोधित

ढ़ाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान ने लगभग दो दशकों के निर्वासन के बाद वतन वापसी की है। बुधवार को ढाका में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने देश के भविष्य के लिए अपना विजन पेश किया। हजारों समर्थकों की भीड़ के सामने तारिक रहमान ने अमेरिकी नागरिक अधिकार नेता मार्टिन लूथर किंग जूनियर के प्रसिद्ध भाषण का जिक्र करते हुए कहा, 'मेरे पास एक योजना है।' उन्होंने कहा कि यह योजना तभी सफल होगी जब देश की जनता का सामूहिक समर्थन मिलेगा।

उन्होंने अपने भाषण में कहा कि लोग अपने लोकतांत्रिक अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वापस चाहते हैं। लोग अपने लोकतांत्रिक अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वापस चाहते हैं। उन्होंने जोर दिया कि बांग्लादेश मुस्लिम, हिंदू, बौद्ध और ईसाई, सभी धर्मों के लोगों का साझा घर है।

रहमान ने हाल ही में मारे गए कार्यकर्ता उस्मान हादी को श्रद्धांजलि दी। हादी की हत्या के बाद बांग्लादेश में तनाव का माहौल है। प्रदर्शनकारी इस हत्या के पीछे 'भारतीय हाथ' होने का दावा कर रहे हैं, जिससे भारत-बांग्लादेश संबंधों में खटास और बढ़ गई है।

तारिक रहमान की वापसी ऐसे समय में हुई है जब देश में सांप्रदायिक हिंसा की खबरें आ रही हैं। कथित ईशनिंदा के आरोप में दीपु चंद्र दास नामक हिंदू नागरिक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमलों के बीच भारत ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने की मांग की है।वतन लौटने के बाद तारिक रहमान ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मुलाकात की और देश की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की।

बांग्लादेश में प्रेस की आजादी पर हमला, 'ग्लोबल टीवी' को दफ्तर जलाने की धमकी, न्यूज हेड को हटाने का दबाव

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद भी पत्रकारों और मीडिया संस्थानों पर हमलों का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताजा मामले में, ढाका स्थित 'ग्लोबल टीवी' के दफ्तर में कुछ युवकों ने घुसकर तोड़फोड़ और आगजनी की धमकी दी है। हमलावरों ने न्यूज हेड नाज़नीन मुन्नी को तुरंत नौकरी से हटाने की मांग की है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हफ्ते की शुरुआत में 7-8 युवक 'ग्लोबल टीवी' के तेजगांव स्थित दफ्तर पहुंचे। उन्होंने खुद को 'भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन' का सदस्य बताया। इन युवकों ने न्यूज हेड नाज़नीन मुन्नी पर 'अवामी लीग' (शेख हसीना की पार्टी) का समर्थक होने का आरोप लगाया और मैनेजमेंट को उन्हें हटाने की चेतावनी दी।

नाज़नीन मुन्नी ने सोशल मीडिया पर इस घटना का खुलासा करते हुए बताया कि हमलावरों ने सीधे तौर पर कहा, 'अगर मुन्नी को नहीं हटाया गया, तो हम दफ्तर में आग लगा देंगे। याद रहे, प्रोथोम आलो और द डेली स्टार (बांग्लादेश के बड़े अखबार) भी हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाए।'

बता दें कि 21 दिसंबर को भीड़ ने बांग्लादेश के प्रमुख अखबारों 'प्रोथोम आलो' और 'द डेली स्टार' के दफ्तरों में भीषण तोड़फोड़ और आगजनी की थी।

यह तनाव भारत विरोधी युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद और बढ़ गया है। हमलावरों का आरोप है कि ग्लोबल टीवी ने हादी की मौत को पर्याप्त कवरेज नहीं दी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित | कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 | फोन : 022-24706563 | कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com | सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)